RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः146, बुधवार , 04 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

हथियार के बल पर सीएसपी से एक लाख तीन हजार की लूट 03

पश्चिम चम्पारण के नये जिला पदाधिकारी, धर्मेन्द्र कुमार ने किया पदभार ग्रहण 04

दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं नरगिस फाखरी, ऐसा लग... 07

महाराष्ट्र में बच्चों को पहली कक्षा से दी जाएगी मिलिट्री ट्रेनिंग

देशभक्ति और अनुशासन के लिए फणनवीस सरकार की पहल

मुंबई (एजेंसी)। हाल ही भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद अब महाराष्ट्र में बच्चों को पहली कक्षा से ही मिलिट्री ट्रेनिंग देने की योजना बनाई गई है। हाल ही में महाराष्ट्र के स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने घोषणा की है कि बच्चों में देशभक्ति की भावना और और अनुशासन और नियमित शारीरिक व्यायाम की आदत को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र में कक्षा 1 से ही छात्रों को बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाएगा। महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया है कि बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए सेवानिवृत्त सैनिकों की मदद ली जाएगी। इस दौरान भुसे ने कहा, छात्रों को कक्षा 1 से बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया है। इससे देश के प्रति प्रेम पैदा करने में मदद मिलेगी और छात्रों को इससे बेहद फायदा होगा। शिवसेना नेता ने कहा कि

प्रस्ताव को लागू करने के लिए स्पोर्ट्स टीच, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), स्काउट्स और गाइड्स के साथ 2.5 लाख पूर्व सैनिकों की मदद ली जाएगी। जानकारी के मुताबिक राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। मंत्री भूसे ने बताया कि इस पहल के तहत छात्रों को सैन्य अनुशासन, व्यायाम और राष्ट्रसेवा की भावना से जोड़ा जाएगा। प्रशिक्षण के लिए सेवानिवृत्त सैनिकों की सेवाएं ली जाएंगी, ताकि बच्चों को सही मार्गदर्शन और प्रेरणा मिल सके। भुसे ने कहा, कक्षा 1 से छात्रों को बुनियादी स्तर की सैन्य ट्रेनिंग देने का निर्णय लिया गया है। इससे छात्रों में देश के प्रति प्रेम पैदा होगा, नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम करने और अनुशासन जैसी आदतों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे छात्रों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना मंत्री ने कहा कि प्रस्ताव को लागू करने के लिए खेल शिक्षकों,राष्ट्रीय कैडेट कोर, स्काउट और गाइड के साथ बात की जाएगी।

पाक के लिए जासूसी के शक में पंजाब से हो गई गिरफ्तारी

- ऑपरेशन सिंदूर की जानकारियां भेज रहा था, मोबाइल में आईएसआई एजेंटों के नंबर

तरनतारन (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के शक में पंजाब के तरनतारन से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी सैन्य जानकारियां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को भेज रहा था। आरोपी की पहचान तरनतारन के मोहल्ला रोडूपुर गली नजर सिंह वाली के गगनदीप सिंह उर्फ गगन के रूप में हुई है। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलीजेंस यूनिट और तरनतारन पुलिस ने की है। डीआईजी गौरव यादव के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गगनदीप सिंह 5 साल से पाकिस्तान में बैठे खालिस्तान समर्थक गोपाल सिंह चावला के संपर्क में था।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली कैबिनेट मीटिंग आज

- पीएम मोदी की अध्यक्षता में हो सकते हैं अहम फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जो पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह बैठक ऐसे समय में आयोजित की जा रही है, जब प्रधानमंत्री मोदी नीत केंद्र सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के एक साल पूरे करने जा रही है। माना जा रहा है कि इस बैठक में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि बैठक में मंत्रियों को 'ऑपरेशन सिंदूर' का ब्योरा दिए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नीत केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से अगले हफ्ते शुरू किए जाने वाले कार्यक्रमों में भी इस अभियान का जिक्र किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों

के मुताबिक, मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोलने के अलावा इस बात पर प्रकाश डाल सकते हैं कि उनकी सरकार का समग्र जोर किन चीजों पर है, क्योंकि मंत्री सरकार के एक साल पूरे होने के मौके पर देशभर में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में लोगों के बीच जाने को तैयार हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से किए गए सटीक हवाई हमले और उसके बाद पाकिस्तान के हमलों के जवाब में पड़ोसी देश के सैन्य प्रतिष्ठानों, खासकर वायुसैनिक ठिकानों पर किए गए भारतीय हमले प्रधानमंत्री मोदी के हालिया भाषणों का मुख्य बिंदु रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवादी कृत्यों में पाकिस्तान की भूमिका का जवाब देने के लिए भारत के नये रुख को रेखांकित करता है। उन्होंने भविष्य में भारतीय धरती पर किसी भी आतंकवादी घटना की स्थिति में आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने का संकल्प जताया है।

भारत का 'कुश' हर हमले को कर सकेगा ट्रैक और ध्वस्त!

- कमाल का होगा स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम, 2029 तक होगा तैयार
- डीआरडीओ की है बड़ी तैयारी, रूसी एस-400 को भी देगा टक्कर
- इजरायली आयरन डोम और अमेरिकी पैट्रियट पर पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का एक प्रोजेक्ट है कुश, जिसे विस्तारित रेंज एयर डिफेंस सिस्टम भी कहा जाता है। यह रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की ओर से विकसित भारत का एक स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम है। इसका मकसद एक लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली तैयार करना है जो ड्रोन, विमान और मिसाइल जैसे हवाई खतरों से निपट सके। वैसे तो भारत के पास रूस से मंगाए गए एस-400 डिफेंस सिस्टम भी है, मगर अब जिस तरह से युद्ध लड़े जा रहे हैं, उसमें किसी भी देश को हर वक्त तैयार रहना होगा। दूसरे देशों पर निर्भरता कम करनी होगी।

सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें

प्रोजेक्ट कुश के केंद्र में भारत की अपनी खुद की लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का विकास है, जो रूस के एस-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम के बराबर है। इजरायल के प्रमुख एयरोस्पेस और एविएशन निर्माताओं, इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के साथ संयुक्त रूप से विकसित, कुश को मई 2022 में सुरक्षा के लिए कैबिनेट समिति द्वारा हरी झंडी दी गई थी। मोबाइल एलआर-एसएएम में लंबी दूरी की निगरानी और अग्नि नियंत्रण रडार के साथ विभिन्न प्रकार की इंटरसेप्टर मिसाइलें होंगी, जो 150 किमी, 250 किमी और 350 किमी की दूरी पर शत्रुतापूर्ण लक्ष्यों को मारने के लिए डिजाइन की गई हैं।

2029 तक देश की सीमाओं का बनेगा रखवाला

भारत का कुश एयर डिफेंस सिस्टम को 2028-2029 तक देश की सीमाओं पर तैनात करने की योजना है। यह दुश्मन के हमलों के साथ-साथ, दुश्मन के लड़ाकू विमान, ड्रोन, क्रूज और बैलेस्टिक मिसाइलों समेत हर हमलों को भी ट्रैक और ध्वस्त कर सकेगा। कुश के तैनात होने के बाद भारत उन महत्वपूर्ण देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जिनके पास अपना लंबी दूरी का एयर डिफेंस सिस्टम है। अभी भारत के पास अपना स्वदेशी वेरी-शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम है। भारत ने 2018 में रूस से एस-400 की डील की थी, इस डील के तहत भारत ने 5 ऐसे एस-400, 40 हजार करोड़ रुपए में खरीदा था। इनमें से ज्यादातर चीनी सीमा पर तैनात हैं। कुश डिफेंस सिस्टम में ड्यूल-पल्स मोटर और थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल जैसे नवीनतम तकनीक शामिल हैं। यह सिस्टम उच्च सटीकता के साथ लक्ष्यों को निशाना बना सकता है, जिससे दुश्मन को आसानी से मात दी जा सके। इसकी एक और खास बात यह है कि यह प्रणाली भारत में है।

भारत की राष्ट्रीय भाषा है एकता और विविधता

- कनिमोझी बोलीं-यही संदेश हमारा डेलिगेशन दुनिया को देने आया है

मैड्रिड (एजेंसी)। भारत के ऑल पार्टी डेलिगेशन की अगुआई कर रहीं डीएमके सांसद कनिमोझी ने सोमवार को स्पेन में कहा कि भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता है। उन्होंने कहा कि यही संदेश यह प्रतिनिधिमंडल दुनिया को देने आया है। दरअसल, स्पेन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उनसे पूछा गया कि भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है। इसके जवाब में कनिमोझी ने

कहा, भारत की राष्ट्रीय भाषा है एकता और विविधता। यही सबसे जरूरी संदेश है जो आज दुनिया तक पहुंचाना चाहिए। कनिमोझी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में डीएमके केंद्र सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शामिल तीन-भाषा फॉर्मूले का विरोध कर चुकी है। स्पेन में कनिमोझी के नेतृत्व में भारत का 'ग्रुप-6' डेलिगेशन स्पेन के विदेश मंत्री जोसे मैनुएल अल्बारेस से भी मिला। स्पेन में भारतीय दूतावास ने जानकारी दी कि इस मुलाकात में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर बात हुई।

राज्यपाल ने तमिलनाडु सरकार के दो बड़े बिलों को दे दी मंजूरी

सीएम स्टालिन बोले-गवर्नर सुप्रीम कोर्ट से डर गए हैं

सर्वोच्चा न्यायालय ने बिल रोकने को बताया था अवैध

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने सरकार की ओर से पारित 2 बिलों को मंजूरी दे दी है। इनसे 12,000 से ज्यादा दिव्यांगजनों को शहरी और स्थानीय निकायों में नामांकन का अधिकार मिलेगा। ये बिल लंबे समय से राजभवन में लंबित थे। राज्यपाल के इस फैसले पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा- यह मंजूरी मिलनी ही थी। राज्यपाल को डर था कि अगर फिर से बिलों को रोका तो हम सुप्रीम कोर्ट चले जाएंगे। 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के मामले पर राज्यपाल के अधिकार की सीमा तय कर दी थी। बेंच ने कहा था- राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

साथ ही सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध भी बताया था। कोर्ट ने कहा था कि यह मनमाना कदम है और कानून के नजरिए से सही नहीं है। राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को मदद और सलाह देनी चाहिए थी। बिल पर राज्यपाल एक महीने के भीतर कदम उठाएं।

मोतिहारीः कंटेनर से भूसी के बोरों छिपाकर ले जाई जा रही 4248 लीटर विदेशी शराब जब्त

पंजाब के भटिंडा से बिहार के वैशाली जिले के हाजीपुर भेजी जा रही थी शराब

मृत्युंजय पांडेय | मोतिहारी।

सुगौली थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने छपवा-मोतिहारी मुख्य सड़क पर वाहन जांच के दौरान एक छह चक्का कंटेनर से 4248.36 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। यह शराब पंजाब के भटिंडा से बिहार के वैशाली जिले के हाजीपुर भेजी जा रही थी। इस मामले में कंटेनर के चालक और उपचालक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्रवाई सुगौली थाना क्षेत्र के छेगरांहा गांव स्थित राजकीय मध्य विद्यालय के समीप बेतिया-मोतिहारी मुख्य मार्ग पर की गई। वाहन संख्या UP 93 CT 8416 को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान कंटेनर के भीतर धान की भूसी से भरे बोरों के बीच

478 कार्टून विदेशी शराब छिपाकर रखे गए थे। पुलिस ने बताया कि जब्त शराब में इंपेरियल ब्लू ब्रांड के 250 कार्टून (2225.16 लीटर) और मैकडॉवेल ब्रांड के 228 कार्टून (2023.20 लीटर) शामिल हैं। कुल मिलाकर 4248.36 लीटर शराब जब्त की गई। गिरफ्तार चालक की पहचान हरियाणा के रोहतक जिला अंतर्गत महम थाना क्षेत्र के मैनीचंद्रपाल गांव निवासी नवदीप जाट (पिता अनुप सिंह) और उपचालक की पहचान भिवानी जिले के विद्यानगर गांव निवासी सुमित (पिता पवन कुमार) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि शराब की यह खेप पंजाब के भटिंडा से उठाई गई थी और इसे हाजीपुर पहुंचाना था।

छापेमारी टीम में शामिल अधिकारीः- सदर एसडीपीओ शिवम धाकड़, पुलिस निरीक्षक सह सुगौली थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, अपर थानाध्यक्ष अभिनव राज, पु.अ.नि. अनुराग राज, नवीन कुमार, स.अ.नि. जयप्रकाश कुमार सिंह, सिपाही रामदुलार सिंह, चौकीदार मो. समीर आलम, रंजीत कुमार, लालबाबू पासवान, प्रदीप कुमार, रमेश कुमार, इंदल राय तथा श्याम कुमार साह शामिल थे। पुलिस अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है और शराब तस्करी के नेटवर्क की गहराई से जांच में जुटी है।

यूपी में अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 20 प्रतिशत आरक्षण

योगी सरकार ने लिया ऐतिहासिक फैसला, कैबिनेट में हुआ निर्णय

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में 11 प्रस्तावों में से 10 को स्वीकृति दी गई। ये निर्णय प्रदेश के युवाओं, किसानों, उद्यमियों, पर्यटकों और गरीब वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं। इसमें सबसे अहम फैसला पूर्व अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में समायोजित करने से जुड़ा है। बैठक का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक फैसला पूर्व अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश पुलिस, पीएसी, घुड़सवार दस्ते और फायरमैन की सीधी भर्ती में 20 फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने का रहा। इसके अलावा इन्हें अधिकतम आयु सीमा में 3 वर्षों की छूट भी दी जाएगी। यह निर्णय अग्निपथ योजना से सेवा के उपरांत लौटने वाले

युवाओं के पुनः समायोजन और भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। राज्य की लोकप्रिय 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना को नया रूप देते हुए जेडीओपी 2.0 को मंजूरी दी गई। इसके तहत स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नवाचार और संशोधन किए जाएंगे। इससे छोटे सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश सरकार ने यूपी बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2025 को भी मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को सस्ती, सुलभ और सुरक्षित आवास सुविधा उपलब्ध कराना है। कोई भी व्यक्ति अपने घर के 1 से 6 कमरे और अधिकतम 12 बेड तक की इकाई को होमस्टे के रूप में पंजीकृत करा सकता है। पर्यटक अधिकतम 7 दिनों तक ठहर सकते हैं, आवश्यकता पड़ने पर रिन्यूअल की भी व्यवस्था है। ग्रामीण क्षेत्रों में नाममात्र शुल्क 500 से 750 और शहरी क्षेत्रों में 2000 शुल्क तय किया गया है। पंजीकरण की प्रक्रिया जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता वाली कमेटी के माध्यम से पूरी होगी। यह नीति न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार और आय के नए स्रोत भी खोलेगी। राज्य सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'अन्नपूर्णा भवनों' के निर्माण को भी स्वीकृति दी है। यह भवन राशन वितरण में पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करेंगे। इनका निर्माण विभिन्न योजनाओं जैसे मनरेगा, सांसद/विधायक निधि, बुंदेलखंड/पूर्वांचल विकास निधि आदि के माध्यम से किया जाएगा। जहां अन्य योजनाओं से धन नहीं मिलेगा, वहां खाद्य एवं रसद विभाग अपनी बचत से निर्माण कराएगा। प्रत्येक जनपद में 75 से 100 भवन प्रति वर्ष निर्माण का लक्ष्य तय किया गया है। राज्य सरकार ने टेलीमीडिया ग्लोबल डाटा सेंटर्स इंडिया प्रा. लि. को दो ग्रिड लाइनों से विद्युत आपूर्ति की अनुमति दी है। यह निर्णय प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाएगा। राज्य सरकार ने 5 मेगा श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन देने का फैसला किया।

भूकंप की अफरातफरी में जेल से भाग गए 216 कैदी

- पाकिस्तान के कराची शहर में बवाल, मेन गेट से फरार
- 80 से ज्यादा दोबारा पकड़े गए, एक कैदी की गई जान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से सोमवार रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद ऐहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था। जियो न्यूज के मुताबिक इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने मंगलवार तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले। भूकंप के बाद 700 से 1000 कैदियों को बाहर लाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

कंगन घाट पर 12 दिवसीय गंगा महोत्सव का होगा आयोजन

■ कंबोडिया, श्रीलंका समेत कई देशों के कलाकार बांधेंगे समां, शक्तिमान फेम मुकेश खन्ना भी होंगे शामिल

पटना, एजेंसी। पटना सिटी के कंगन घाट पर पहली बार 12 दिवसीय गंगा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 5 जून को कार्यक्रम का शुभारंभ होगा वहीं 16 जून को समापन होगा। सनातनी गंगा फाउंडेशन और आईडीपीटीएस के संयुक्त तत्वाधान में यह कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम स्थल पर मां गंगा की 41 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण चल रहा है। कार्यक्रम में कंबोडिया और श्रीलंका समेत कई देशों के कलाकार शिरकत करेंगे। कंबोडिया से 8 युवक-युवतियों की टीम विशेष गंगा आरती प्रस्तुत करेगी। महाभारत के भीष्म पितामह और शक्तिमान का किरदार निभाने वाले मुकेश खन्ना भी महोत्सव में शामिल होंगे। फाउंडेशन के मुख्य संयोजक शिशिर कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गंगा सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसके लिए गंगोत्री से गंगाजल रथ पटना लाया गया है। गंगोत्री से निकले शुद्ध जल और पटना के गंगाजल की गुणवत्ता में अंतर को समझने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। पटना का चयन इसलिए किया गया क्योंकि यह बड़ी पटन देवी के नाम पर बसा है। साथ ही यह सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी की जन्म और कर्म स्थली रही है।

21 रियल एस्टेट कंपनियों की जमीन खरीद-बिक्री पर रोक

■ सारण में बिना रजिस्ट्रेशन कर रहे थे काम, रेरा निबंधन संख्या का कर रहे थे गलत इस्तेमाल

छपरा, एजेंसी। सारण में रीयल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) और जिला प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई की है। टीम ने 31 मई को छपरा सदर, सोनपुर, दिघवारा और दरियापुर प्रखंडों का निरीक्षण किया। इस दौरान 21 रियल एस्टेट डेवलपर कंपनियों को बिना रेरा निबंधन के जमीन बेचते हुए पकड़ा गया। जिलाधिकारी अमन समीर ने स्पष्ट किया कि रेरा निबंधन के बिना कोई भी डेवलपर विज्ञापन, प्रचार या बिक्री नहीं कर सकता। निबंधित परियोजनाओं को अपने स्थल पर 5×4 फीट का बोर्ड लगाना जरूरी है। इस बोर्ड पर रेरा रजिस्ट्रेशन नंबर और क्यूआर कोड होना अनिवार्य है। जांच में पाया गया कि कुछ एजेंट रेरा निबंधन संख्या का गलत इस्तेमाल कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों को एजेंट (%ए%) और प्रोजेक्ट (%पी%)के निबंधन में अंतर समझने की सलाह दी है। कार्रवाई में गौतम बुद्ध नगर, शीतल ग्रीन सिटी, बिग ड्रीम, ग्रीन पार्क, हाईवे प्राइड समेत 21 डेवलपर्स शामिल हैं। प्रशासन ने लोगों से इन डेवलपर्स से जमीन न खरीदने की अपील की है। रेरा नियमों का पालन खरीदारों की सुरक्षा के लिए जरूरी है। यह कार्रवाई जिले में अवैध रियल एस्टेट गतिविधियों को रोकने के लिए की गई है। इस मामले में आगे की कार्रवाई के लिए समीक्षा बैठक कर पत्र जारी किया गया है।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से उड़ानें शुरू, पुराना बंद

अलग-अलग एंट्री-एग्जिट पॉइंट; चेक इन काउंटर बढ़ें, यात्रियों को नहीं करना होगा इंतजार

पटना, एजेंसी। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल की शुरुआत हो गई। नया टर्मिनल मंगलवार (3 जून) से यात्रियों के लिए खोल दिया गया है। एयरपोर्ट प्रशासन ने इसकी जानकारी सभी एविएशन कंपनियों को भी दे दी है। मंगलवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे पहली फ्लाइट इंडिगो की लैंड की, जो बेंगलुरु से पटना पहुंचा। नए टर्मिनल में अलग-अलग एंट्री-एग्जिट पॉइंट के साथ-साथ चेक इन काउंटर्स बढ़े हैं, इससे यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वहीं, पुराने टर्मिनल भवन सोमवार आधी रात के बाद से पूरी तरह बंद कर दिया गया। 29 मई को पीएम मोदी ने इस टर्मिनल का उद्घाटन किया था।

पैसेंजर्स के लिए एडवाइजरी

इस बदलाव को लेकर एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें यात्रियों को नए टर्मिनल में एंट्री के रास्ते में हुए बदलावों के लिए अलर्ट रहने और साइन बोर्ड्स और दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। यात्रियों से उड़ान से कम से कम 3 घंटे पहले रिपोर्ट करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। किसी भी तरह की जानकारी या सहायता के लिए यात्री ड्यूटी टर्मिनल मैनेजर से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर 9471000714 जारी किया गया है।

सुरक्षा के विशेष इंतजाम

पटना एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पटना पुलिस के 20 जवानों को एयरपोर्ट के एंट्री और एग्जिट गेट पर तैनात किया गया है, जो अगले 10 दिनों तक ड्यूटी पर रहेंगे। इसके अलावा 20 अतिरिक्त ट्रैफिक जवानों की भी तैनाती की जा रही है। एयरपोर्ट थानेदार को पूरे क्षेत्र में नियमित गश्त करने का आदेश दिया गया है। पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए अलग-अलग एजेंसियों के बीच समन्वय बनाकर काम किया जा रहा है।

29 मई को पीएम ने किया था उद्घाटन

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन 29 मई को पीएम मोदी ने किया था। 1973 में एक छोटी सी हवाई पट्टी से शुरू हुए पटना के जय प्रकाश इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब वर्ल्ड क्लास हो चुका है। मौजूदा वक्त में एयरपोर्ट से सालभर में करीब 25 लाख यात्री आवाजाही करते हैं।नए टर्मिनल के शुरू होने के बाद यह संख्या 1 करोड़ तक पहुंच सकती है। नया टर्मिनल भवन 10 साल में 1400 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हुआ है। अब पटना से 26 साल बाद इंटरनेशनल फ्लाइट भी शुरू हो जाएंगी। वर्ल्ड क्लास टर्मिनल बनाने के लिए सिंगापुर की मेनहार्ट कंपनी ने आर्किटेक्चर तैयार किया। हैदराबाद की नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ने बाकी कामकाज किया। इस प्रोजेक्ट में मल्टी लेवल कार पार्किंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोल कम टेक्निकल बिल्डिंग, फायर स्टेशन, कार्गो कॉम्प्लेक्स, फ्लाइंग क्लब भी बनाए गए हैं।

जीएमसीएच में लोगों ने चोर को रंगे हाथ पकड़ा: पिटाई के बाद पुलिस को सौंपा

अस्पताल कैंपस से बाइक चोरी करके भाग रहा था

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर(जीएमसीएच) से बाइक चोरी करते एक चोर को लोगों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। जमकर पिटाई के बाद फणीश्वर थाना रेणु टीओपी पुलिस को सौंप दिया गया। पॉकेट से नशीले पदार्थ का रैपर और घिसी हुई चाभी मिला है। पूछताछ के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया। आरोपी मोहम्मद अशफाक(27) खजांची थाना क्षेत्र के कसाई मोहल्ले का रहने वाला है।

अस्पताल कैंपस से चोर को पकड़ा

हरदा निवासी बबलू पासवान ने बताया कि अस्पताल में मरीज को डॉक्टर से दिखाने आया था। कैंपस में बाइक लॉक करते खड़ी कर दी। युवक काफी देर से उनकी बाइक पर बैठा था। इसके बाद लॉक तोड़ने का प्रयास करने लगा। संयोग से उसी समय मैं वहां पहुंच गया। भागने से पहले ही उसे पकड़ लिया। भीड़ के सामने पोल खुलने के डर से युवक ने कहा कि ऐसी ही एक बाइक मेरे पास भी है। मुझे ध्यान नहीं रहा। कुछ ही देर उसकी असलियत सबके सामने आ गई।

चोरी की बाइक बरामद

वहीं, फणीश्वरनाथ रेणु टीओपी प्रभारी शबाना आजमी ने बताया कि बाइक चोरी कर भाग रहे चोर के पकड़े जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उसके पास से चोरी की एक बाइक मिली है। जिसको जब्त कर लिया गया है।

निकाह से इनकार करने पर लड़की के पिता की हत्या

टीचर से एकतरफा प्यार में मौलवी ने करवाया मर्डर, हार्टअटैक का बहाना बनाकर अस्पताल में भर्ती हुआ

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में प्रधान मौलवी ने अपने ही मदरसे में पढ़ाने वाली एक शिक्षिका के पिता की हत्या करवा दी। मृतक उर्दू के शिक्षक थे। उनकी बेटी बुसरा खातून (21) मदरसे में 4 साल से पढ़ा रही थी। इसी दौरान प्रधान मौलवी मुफ्ती साहब अनवर (40) उसे पसंद करने लगे थे। दोनों के बीच बातचीत होती थी, पर बुसरा के मन में उसके लिए कोई फिलिंग नहीं थी।

मौलाना लड़की से शादी करना चाहता था। इसके लिए वो बुसरा के पिता मंसूर आलम से मुलाकात भी कर चुका था, लेकिन बुसरा ने शादी से इनकार कर दिया था। इस बीच पिता ने 25 मई को अपनी बेटी की शादी कहीं और तय कर दी। जिसके बाद मौलाना ने लड़की के पिता की हत्या की प्लानिंग की। इस काम के लिए मौलाना ने सीतामढ़ी के 2 शूटर्स को हायर किए। शूटर 2 लाख रुपए मांग रहे थे, पर 1 लाख में डील फाइनल हुई। 28 मई की सुबह उर्दू शिक्षक साइकिल से अपने स्कूल जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार शूटर्स ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। फायरिंग में उनको तीन गोलियां लगी थीं। 1 मई को आरोपी मौलवी को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने बताया कि %बुसरा के पिता की हत्या करने के लिए उसने सुपारी दी थी। सोमवार 2 मई को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके बाद पुलिस ने मामले का खुलासा किया। घटना भरवाड़ा कमतौल रोड पर नासिरगंज तिनरता के पास हुई थी। स्क्क जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने घटना की जानकारी दी।

हार्ट अटैक का बहाना बनाकर अस्पताल में हुआ भर्ती : एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि, पुलिस की हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी मौलवी ने कहा था कि उसे हार्ट अटैक आया है। जिसके बाद उसे पुलिस की कस्टडी में डीएमसीएच ले जाया गया। जहां अभी भी उसका इलाज चल रहा है। आरोपी शादीशुदा है। उसके 4 बच्चे हैं। 2 बेटे और 2 बेटियां।

स्कूल से 500 मीटर पहले मारी थी गोली

वहीं, मृतक मधुबनी के बलिया थाना बेनीपट्टी निवासी मंसूर आलम हैं। जो दरभंगा में किराए के कमरे में रहते थे। प्राथमिक विद्यालय निसारगंज में उनकी पोस्टिंग थी। किराए के घर से उनका स्कूल 2किमी की दूरी पर है। घटना वाले दिन वे स्कूल पहुंचने वाले थे, 500 मीटर और सफर करना था। इसी दौरान अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। वारदात के बाद अपराधियों के भागने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि बदमाश पल्सर बाइक से फरार हो रहे हैं। मृतक की पत्नी खैरून निशा ने सिंहवाड़ा थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

राजस्व कर्मियों की सैलरी बढ़ेगी, पदनाम भी बदलेगा, नीतीश सरकार ने मानी मांगें

पटना, एजेंसी। बिहार के राजस्व कर्मचारियों की सैलरी बढ़ने वाली है, साथ ही उनका पदनाम भी बदला जाएगा। नीतीश सरकार ने उनकी मांगें मान ली हैं। राजस्व विभाग के अधिकारियों और संयुक्त संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों के बीच सोमवार को वार्ता हुई। विभाग ने राजस्व कर्मचारियों की अधिकतर मांगों को मान लिया। संघ के महासचिव नारायण शर्मा ने कहा कि राजस्व कर्मचारियों का पदनाम बदलकर सहायक राजस्व अधिकारी किया जाएगा। राजस्व कर्मियों की पोस्टिंग गृह जिले या आसपास के जिलों में ही होगी। साथ ही उनके ग्रेड पे और वेतन में बढ़ोतरी होगी। बताया जा रहा है कि वेतनमान बनने के बाद पंचायतों में काम करने के लिए लेवल टू के एक क्लर्क सहायक के तौर पर दिया जाएगा। सरकार से सकारात्मक वार्ता के बाद ही संघ ने विधिवत हड़ताल समाप्त करने का औपचारिक ऐलान किया। बिहार के लगभग 4 हजार राजस्व कर्मी अब काम पर लौट गए हैं। वार्ता में सरकार की ओर से विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह और सचिव जय कुमार सिंह शामिल हुए। वार्ता में संघ के चंद्रकिशोर प्रसाद, लक्ष्मी बाबू, कौशलेंद्र कुमार सिंह, चंद्रशेखर चौबे, राम कुमार झा, अभिषेक त्रिवेदी, अभिषेक कुमार तिवारी, संतोष आर्या, शंकर कुमार, हरिनंदन कुमार, राकेश कुमार मौजूद रहे। बता दें कि पिछले महीने राजस्व कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। इस वजह से सभी जिलों में जमीन से जुड़े काम प्रभावित हो रहे थे। राज्य सरकार की ओर से उन्हें बार-बार काम पर लौटने की चेतावनी दी गई थी। पिछले हफ्ते सरकार से वार्ता से बनी सहमति के बाद राजस्वकर्मी काम पर लौट गए।

भोजपुर में हथियार के साथ रिटायर्ड फौजी गिरफ्तार

घर में घुसकर लूटपाट और धमकी देने का आरोप

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर में हथियार के साथ एक रिटायर्ड फौजी को पुलिस को गिरफ्तार किया है। एक घर में घुसकर लूटपाट और धमकी देने का आरोप है। लाइसेंसी पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। घटना बैंक कॉलोनी-विष्णुनगर मोहल्ले की है।

आरोपी की पहचान उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव निवासी प्रदुमन चौधरी के तौर पर हुई है। पीड़ित गृहस्वामी अधिवक्ता अरविंद कुमार मिश्रा ने थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है।

जबरन घर में घुसे थे

पीड़ित अरविंद कुमार मिश्रा ने बताया कि सोमवार रात को प्रदुमन चौधरी अपने सहयोगियों के साथ घर में जबरन घुस गया। उसके हाथ में पिस्टल था। परिवार के सदस्यों पर पिस्टल तान दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। भीड़ जुटते ही चार लोग मौके से फरार हो गए। एक आरोपी को धर-दबोचा। पहले भी धमकी दे चुका है। कोर्ट में सनहा भी कराया है।

जांच में जुटी पुलिस

थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी ने मामले की छानबीन की जा रही है। शुरुआती जांच में पैसा संबंधी विवाद की बात सामने आ रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया है।

कार के सनरूफ से सिर बाहर निकाला तो कट जाएगा चालान, पटना ट्रैफिक पुलिस का फरमान

पटना, एजेंसी। कार के सनरूफ से सिर बाहर निकालकर मस्ती करना अब भारी पड़ सकता है। ऐसा करने पर संबंधित कार के मालिक को पटना यातायात पुलिस समन भेजेगी। एमवी एक्ट की धारा-177 और 184 के तहत समन की कार्रवाई होगी। इसके अलावा जुर्माना भी हो सकता है। सीसीटीवी कैमरों के जरिये भी पुलिस ऐसी गाड़ियों पर नजर रख रही है। यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया पर सनरूफ वाली गाड़ी के साथ एक उदाहरण भी दिया है कि किस तरह ऐसा करने पर हादसे हो सकते हैं। सनरूफ से एक ढाई किलो के पुतले को बाहर निकालकर यह दिखाया गया है कि एकाएक ब्रेक लगने पर कैसे लोग बाहर गिर सकते हैं। आमतौर से ये भी देखा जाता है कि बच्चों को लोग सनरूफ से सिर बाहर निकालने की अनुमति देते हैं। ऐसे में अगर आपात स्थिति आई और एकाएक ब्रेक लगाना पड़ा तो हादसा हो सकता है।

कार के सनरूफ का इस्तेमाल होता है इन कामों में

- कार के सनरूफ का इस्तेमाल मुख्य रूप से ड्राइव करते वक्त धूप सेंकने के लिए होता है।
- गर्मी के दौरान कार में प्राकृतिक हवा के लिए भी कार के सनरूफ का इस्तेमाल किया जाता है।
- आपातकाल में इमरजेंसी एक्जिट के दौरान भी कार का सनरूफ काम आ सकता है।

खाली सड़कों पर सिर सनरूफ के बाहर कर घूमते हैं लोग

खाली सड़कों जैसे जेपी गंगा पथ और अटल पथ पर अक्सर युवक कारों के सनरूफ से सिर बाहर निकालकर घूमते दिखते हैं। इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर रील्स बनाकर अपलोड की जाती है। सनरूफ के बाहर सिर निकालकर युवक कई बार स्टंट करते भी दिखते हैं। एएसपी ट्रैफिक, आलोक कुमार ने कहा कि सनरूफ से बाहर सिर निकालकर किसी तरह का जानलेवा या खतरनाक स्टंट करने पर समन की कार्रवाई की जाएगी।

दाखिल-खारिज को लंबित रखने पर नीतीश सरकार सख्त, बिहार के दो जिलों में डीसीएलआर निलंबित

पटना/मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार सरकार ने कार्य में लापरवाही के आरोप में मुजफ्फरपुर के डीसीएलआर पूर्वी संजय कुमार को निलंबित कर दिया है। इससे पहले पश्चिमी डीसीएलआर धीरेंद्र कुमार को भी निलंबित किया गया था। सामान्य प्रशासन विभाग ने सोमवार को मुजफ्फरपुर पूर्वी डीसीएलआर के साथ ही बेतिया सदर डीसीएलआर सादिक अख्तर को भी निलंबित किया है। आदेश के अनुसार, इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यों के निबटारे में शिथिलता बरतने, मुख्य सचिव और विभागीय स्तर पर बार-बार निर्देश देने के बावजूद उनके क्रियाकलापों में सुधार नहीं होने, दाखिल खारिज अपीलवादों को लंबित रखने और ऑफिसियल लॉगिन का उपयोग नहीं कर के अपने निजी लॉगिन से वाद दायर करने संबंधी आरोप लगाए गए हैं। दोनों पदाधिकारियों के कार्य में लापरवाही को देखते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने उन्हें निलंबित कर अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। आरोप पत्र और अनुशंसा के बाद इस मामले की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर की गयी। उसके बाद दोनों द्वारा बरती गयी शिथिलता को बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली के प्रावधानों के भी प्रतिकूल माना गया है। निलंबन अवधि में दोनों का मुख्यालय तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त कार्यालय मुजफ्फरपुर निर्धारित किया गया है।

बच्चों की देखभाल को 7 दिन में मंजूर होगी शिक्षिकाओं की छुट्टी

स्कूलों में 23 के बाद छुट्टी का ऑनलाइन आवेदन

पटना, एजेंसी। राज्य के सरकारी स्कूलों के शिक्षक 23 जून के बाद से छुट्टी के लिए ऑनलाइन आवेदन करेंगे। यह आवेदन ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर होगा। संबंधित अधिकारी भी छुट्टी की स्वीकृति ऑनलाइन ही देंगे। अभी छुट्टी के लिए ऑफलाइन आवेदन देना होता है। इसके अलावा महिला शिक्षकों को मातृत्व या बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी के दौरान वेतन भी मिलेगा। डीईओ शिक्षिका के आवेदन पर 7 दिनों में छुट्टी स्वीकृत करेंगे। इस संबंध में शिक्षा विभाग के उपसचिव अमित कुमार पुष्पक ने सभी जिलों के डीईओ को निर्देश दिया है। जिसके मुताबिक छुट्टी के प्रकार और उसे स्वीकृत करने के सक्षम अधिकारियों की जानकारी दी गई है। महिला शिक्षकों को 6 महीने तक मातृत्व अवकाश मिलेगा। साथ ही 2 बच्चों की देखभाल के लिए 2 वर्ष तक अवकाश मिल सकता है।

हेडमास्टर को बीईओं छुट्टी देंगे

प्रधान शिक्षक और प्रभारी प्रधानाध्यापक को प्रखंड शिक्षा अधिकारी छुट्टी देंगे। सहायक और विशिष्ट शिक्षकों को प्रधान शिक्षक और प्रभारी प्रधानाध्यापक छुट्टी देंगे। छुट्टी का निर्णय आवेदन के दिन ही लिया जाएगा। पितृत्व अवकाश 15 दिनों का दिया जाएगा। पुरुष शिक्षकों के आवेदन के 7 दिन के अंदर ही डीईओ छुट्टी का निर्णय लेंगे। इसके साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी की स्वीकृति के बाद शिक्षक 300 दिनों तक उपार्जित अवकाश ले सकते हैं।

निजी कार्य और स्वास्थ्य के आधार पर आधे वेतन पर छुट्टी

शिक्षक निजी कार्य और स्वास्थ्य के आधार पर आधे वेतन पर छुट्टी ले सकते हैं। इसके लिए शिक्षक जिला शिक्षा अधिकारी के पास आवेदन करेंगे। इसकी जांच के बाद छुट्टी मंजूर की जाएगी। जांच और छुट्टी 7 दिनों के अंदर ही स्वीकृत होगी। साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी की स्वीकृति के बाद बगैर वेतन के शिक्षकों को असाधारण अवकाश दिया जाएगा। सर्विस के दौरान 180 दिनों तक स्वास्थ्य कारणों से शिक्षक छुट्टी ले सकते हैं। इस दौरान वेतन दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

8 वर्षीय बच्ची सड़क हादसे में गंभीर रूप से हुई घायल, मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर

बीएनएम। मोतिहारी । जिले के मेहसी थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव के समीप राजमार्ग 28 पर मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसे में आठ वर्षीय बच्ची इबराना खातून गंभीर रूप से घायल हो गई। वह मिर्जापुर निवासी मोहम्मद इजराफिल की पुत्री बतायी गयी है। घटना राजमार्ग संख्या 28 पर भारत पेट्रोल पंप के समीप की है, जहां किसी अज्ञात वाहन ने बच्ची को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मेहसी पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय सड़क पर कोई ट्रैफिक नियंत्रण नहीं था और वाहन तेज गति से चल रहे थे। दुर्घटना के बाद वाहन चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द वाहन और चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और सड़क पर सुरक्षा उपायों की व्यवस्था करने की मांग की जा रही है। इबराना की हालत चिंताजनक बताई जा रही है और उसका इलाज मुजफ्फरपुर में जारी है।

21 किग्रा गांजा के साथ तस्कर हुआ गिरफ्तार

बीएनएम।मोतिहारी। **जिले** के भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र से एसएसबी 71वीं वाहिनी कैम्प के जवानों द्वारा मंगलवार की अहले सुबह 21 किग्रा गांजा के साथ एक तस्कर को दबोच लिया है।इस संबंध में बीओपी प्रभारी ने बताया कि मोतीहारी से प्राप्त सूचना के आधार पर पिलर संख्या 360/7 (रेगनिया गांव के निकट)नेपाल से भारत लाने के क्रम में खदेड़ कर पकड़ लिया जो एक विशेष नाका लगा कर अहले सुबह के करीब चार बजे 21 किलो ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। तस्कर की पहचान थाना क्षेत्र के अगरवा निवासी रामप्रीत राय के पुत्र नितेश कुमार के रूप में की गई है।एसएसबी द्वारा जब्त गांजा और तस्कर को जितना थाना को सुपुर्द करने की पुष्टि जितना थानाध्यक्ष सुधीर कुमार ने की है।

मोतिहारी के नीतीश ने ड्रीम 11 पर जीते 5 करोड़

बीएनएम। मोतिहारी : पूर्वी चंपारण। जिले के कोटवा प्रखंड स्थित मच्छरगांवा निवासी 26 वर्षीय नीतीश कुमार ने ड्रीम -11 फैंटेसी गेम में 5 करोड़ रुपये की इनाम जीता है।जिसके बाद नीतीश की पूरे देश में चर्चा हो रही है। इनाम जीतने की खबर के बाद नीतीश के घर बधाई देने वालों का तांता लगा है। पूरे गांव में जश्न का माहौल है।नीतीश ने बताया कि पिछले कई सालों से Dream11 पर खेल रहा था।कई बार के प्रयास के बाद इस बार जीत मिली है।यह जीत मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसी है। इनाम की राशि से वह अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ ही पैसे का कुछ हिस्सा समाज के बेहतरी के लिए खर्च करेंगे।

बंजरिया में ट्रक पर लदी 125 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी : पूर्वी चंपारण। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर मादक पदार्थ के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान बंजरिया थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जाँच अभियान के दौरान एक ट्रक रजिस्टेशन नं०-MH 46BF-5034 के केबिन से लाल रंग के प्लास्टिक के पन्नी में सिल्ड किया हुआ कुल 12 पैकेट मादक पदार्थ (गांजा) बरामद किया है,जिसका कुल वजन-125 किलो 797 ग्राम है।जिसकी अनुमानित कीमत करीब 8 लाख से ज्यादा आंकी गई है। एएसपी शिवम धाकड़ ने मंगलवार को बताया कि एसआई संजय कुमार यादव के नेतृत्व में सशस्त्र बलो की टीम छापेमारी करने हेतु थाना से प्रस्थान किये थे। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली की एक ट्रक जो छतौनी से सुगौली की तरफ एन.एच.-28ए के रास्ते मादक पदार्थ लेकर जाने वाला है,जिसकी सूचना एसआई संजय यादव ने वरीय पदाधिकारी को दी।जिसके उपरांत भौतिक सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करने के लिए बनायी गयी टीम ने एन.एच.-28ए पर शंकर ढाबा के समीप सघन वाहन जाँच की और तलाशी अभियान में ट्रक से गांजा बरामद किया गया। इस दौरान पुलिस ने बंजरिया थाना क्षेत्र के झखिया गांव निवासी ट्रक बालक रुपलाल सहनी,व झखिया नयका टोला निवासी ट्रक के खलासी जिउत कुमार को गिरफ्तार कर पूछताछ में जुटी है।एएसपी ने बताया कि इनके पास से बरामद एंड्रायड फोन के कॉल डिटेल्स के आधार पर इनके फारवर्ड व बैकवर्ड लिंकेज को खंगाला जा रहा है।

एमडीआर टीबी के मरीजों की नई दवा बीपाल्म से होगा इलाज

» 14 साल की उम्र से ऊपर के मरीजों का छह महीने का है कोर्स

» जिला यक्ष्मा केंद्र में हुआ सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

एमडीआर टीबी मरीजों का अब रीजीम बीपाल्म दवा से इलाज होगा। इस दवा का कोर्स छह महीने का है। इसे 14 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को ही दी जाएगी। इसको लेकर जिला यक्ष्मा केंद्र में संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. संजीव की अध्यक्षता और डब्लूएचओ के राज्य प्रतिनिधि कुमार गौरव की देखरेख में सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कराया गया है। सीडीओ डॉ. संजीव ने कहा कि जिले से बीपाल्म रेजिमेन के तहत ड्रग रेजिस्टेंट टीबी मरीजों को दवा देने की शुरुआत जल्द ही की जाएगी। यह दवा एमडीआर के उपचार में काफी असरदार है। गलत तरीके से दवाओं के सेवन से हो सकता है। एमडीआर टीबी की समस्या टीबी के मरीजों में इलाज के दौरान गलत तरीके से दवाओं के सेवन करने अथवा दवा का पूरे कोर्स का सेवन नहीं करने से होती है। जब मरीज टीबी का इलाज करा रहा होता है, उस दौरान टीबी की दवाओं का सही तरीके से सेवन न होने या दुरुपयोग होने की वजह से एमडीआर टीबी हो जाता है। इस समस्या में मरीजों के शरीर में मौजूद ट्यूबरक्लोसिस के बैक्टीरिया दवाओं के प्रति रेजिस्टेंट हो जाते हैं। उन पर दवाओं का असर बिल्कुल भी नहीं होता है। इसके अलावा एमडीआर टीबी का दूसरा सबसे बड़ा कारण एमडीआर मरीज के संपर्क में आना है। ऐसे मरीज जो एमडीआर टीबी की समस्या से पीड़ित हैं, उनके संपर्क में आने से भी यह समस्या हो सकती है। इस मौके पर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. संजीव, डॉ. सुनील कुमार, अमरेंद्र कुमार, अरविन्द कुमार व अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

बाइक सवार को बचाने के प्रयास में कार पेड़ से टकराई, पिता-पुत्र घायल, कार क्षतिग्रस्त

बीएनएम : हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के मटियरिया 12 माइल के पास मोतिहारी- अरेराज मुख्य मार्ग पर मंगलवार को एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार मलाही बड़हरवा गांव निवासी रामेश्वर प्रसाद (65) एवं उनके पुत्र चंदन कुमार (32) घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 112 नंबर की पुलिस टीम पवन कुमार रखवाला के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। इससे पहले ही स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए मोतिहारी भेज दिया गया। रामेश्वर प्रसाद के छोटे पुत्र राहुल कुमार ने बताया कि उनके बड़े भाई चंदन कुमार गाड़ी चला रहे थे और सभी मोतिहारी से मलाही की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में एक बाइक पर सवार दो युवक आ रहे थे। बाइक सवारों को बचाने के प्रयास में चंदन कुमार ने कार को बाईं ओर मोड़ दिया, जिससे गाड़ी जाकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में रामेश्वर प्रसाद का बायां पैर क्रैक हो गया है जबकि चंदन कुमार को मामूली चोटें आई हैं। राहुल कुमार ने बताया कि प्राथमिक इलाज के बाद वे शाम तक घर लौट आएंगे। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

हथियार के बल पर सीएसपी से एक लाख तीन हजार की लूट

» केसरिया में फुलतकिया बाजार की घटना

बीएनएम : केसरिया

थाना क्षेत्र के फुलतकिया बाजार स्थित एसबीआई के सीएसपी से हथियारबंद अपराधियों ने एक लाख तीन हजार रुपया लूट लिया है। घटना के दौरान अपराधियों द्वारा लैपटॉप व अन्य समान को क्षतिग्रस्त भी किया गया है। घटना मंगलवार की दोपहर की है। सूचना पर डीएसपी संतोष कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक नीरज कुमार, थानाध्यक्ष उदय कुमार ने घटनास्थल पर पहुँच घटना की जानकारी ली। बताया जाता है कि फुलतकिया निवासी कौशल किशोर प्रसाद फुलतकिया बाजार पर एसबीआई का सीएसपी संचालित करते हैं। मंगलवार की दोपहर वे अपने सीएसपी में कार्य कर रहे थे। इसी बीच अपाची सवार तीन की संख्या में अपराधी आये। सभी नकाबपोश थे। एक अपराधी सीएसपी संचालक कौशल किशोर प्रसाद पर पिस्टल तान दिया। लैपटॉप, मोबाइल व काउंटर पर लगे सीसा को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद कैश काउंटर में रखे करीब एक लाख तीन हजार रुपया लूट मठिया के रास्ते साहेबगंज की तरफ भाग निकला। डीएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है। अपराधी तीन की संख्या में थे। घटना में संलिप्त अपराधियों की पहचान को लेकर कार्रवाई की जा रही है।

समाज में बनाये बेहतर माहौल,जहां सब सेहतमंद रहे :राज्यपाल

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण । भारत का संविधान एक जिन्दा दस्तावेज हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी जिंदगी की वाजिब हक की व्याख्या करते हुकूमत को यह जिम्मेदारी सौपी है,कि वह समाज में ऐसा बेहतर माहौल बनाये जहां हर इंसान सेहतमंद रहकर अपनी जिंदगी गुजार सके। उक्त बातें मंगलवार को चकिया स्थित सूफिया यूनानी मेडिकल कॉलेज के नवनिर्मित 100 बेड वाले हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कही। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान आर्टिकल नौ में जिंदगी के हक को बुनियादी हक और मौलिक अधिकार का दर्जा देता हैं। किसी व्यक्ति की न जान ली जा सकती हैं, न ही उसकी स्वतंत्रता से महरूम किया जा सकता हैं। मेरा मानना है कि जिन लोगों ने चिकित्सा की तालीम ली है उन पर खास जिम्मेवारी है। सांसद राधामोहन सिंह ने कहा कि 2014 में मोदी सरकार द्वारा आयुष मंत्रालय का गठन करने के बाद यूनानी पढ़ने वाले छात्रों की संख्या काफी बढ़ी है। ग्यारह वर्षों में इससे संबंधित संस्थानों की संख्या काफी बढ़ी है। इस वर्ष यहां 47 छात्र नामांकन लेकर यूनानी शिक्षा को ग्रहण कर रहे हैं,ये मोदी सरकार की देन है। अब अंग्रेजी से ज्यादा यूनानी, होम्योपैथी एवं आयुर्वेदिक, जो हमारे संस्कारगत औषधि पद्धति है,उसका महत्व बढ़ा है। इसके पूर्व राज्यपाल ने नवनिर्मित एक सौ बेड वाले हॉस्पिटल का फीता काटकर उद्घाटन किया साथ ही हॉस्पिटल परिसर में पौधरोपण भी किया। आगत अतिथियों को हॉस्पिटल के प्रतीक चिन्ह के मेडल से सम्मानित किया गया। मौके पर एसआरएपी कॉलेज के छात्रों ने कॉलेज में स्नात्तकोत्तर व बीएड की पढ़ाई के लिए मान्यता देने संबंधी मांग का एक ज्ञापन राजयपाल को सौपा। मौके पर विधायक श्यामबाबू यादव, कॉलेज के चेयरमैन डॉ एस एम अमजद अली,प्राचार्य डॉ आसिफ हुसैन,प्रभारी प्राचार्य डॉ नूर आलम, डॉ खालिद इकबाल,डॉ साजिद आलम,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विजय गुप्ता, रोहित सिंह,संदीप कुमार सिंह,सुधीर मिश्रा,चंदन कुमार सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय की भवन एवं कार्य समिति ने डीपीआर के प्रारूप को दी स्वीकृति

» स्थायी परिसर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी के स्थायी परिसर की स्थापना की दिशा में मंगलवार को एक ऐतिहासिक पहल हुई। विश्वविद्यालय की भवन एवं कार्य समिति की आठवीं बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के लिए तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के प्रारूप को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। उन्होंने कहा, "यह प्रस्तावित स्थायी परिसर मात्र एक भौतिक संरचना नहीं है, बल्कि बिहार के शैक्षणिक परिदृश्य में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का वाहक बनेगा। यह परिसर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं सामाजिक समावेशन का ऐसा संगम होगा, जो न केवल पूर्वी भारत को एक नई पहचान दिलाएगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रेरक मॉडल के रूप में भी उभरेगा।" बैठक में ओएसडी सच्चिदानंद सिंह, प्रो. प्रसून दत्त, प्रो. विकास पारीक, डॉ.अतुल भार्गव तथा डॉ. श्याम नंदन की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ-साथ केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) के अभियंता भी बैठक में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कंसल्टेंट 'आर्क एंड डिज़ाइन' द्वारा स्थायी परिसर की रूपरेखा ऑनलाइन प्रस्तुत की गई, जिसे समिति के सदस्यों ने देखा और उसमें सुझाए गए नवाचारों की सराहना की। समिति के सभी सदस्यों ने डीपीआर की दूरदर्शिता, रणनीतिक पहलुओं एवं भावी संभावनाओं की सराहना की। ज्ञातव्य है कि बिहार सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को अब तक लगभग 261 एकड़ भूमि—जो बैंकत, फुर्सतपुर एवं बरिया गांवों में स्थित है—हस्तांतरित की जा चुकी है। इसी भूमि पर विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर प्रस्तावित है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्मित किया जाएगा। जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया, "निर्माण कार्य की जिम्मेदारी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) को सौंपी गई है, जिसके लिए जून 2024 में विश्वविद्यालय और सीपीडब्ल्यूडी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। प्रस्तावित परिसर में हरित निर्माण, स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाएं, केन्द्रीय पुस्तकालय तथा समावेशी सुविधाएं शामिल होंगी, जिससे यह परिसर शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक राष्ट्रीय केंद्र बन सकेगा।"

हरसिद्धि में धड़ल्ले से खेतों में जलाए जा रहे है पराली, प्रशासन बेखबर

बीएनएम : हरसिद्धि

प्रखंड के कई गांवों में किसान बड़े पैमाने पर खेतो में पराली जला रहे हैं, जिससे क्षेत्र में वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। यह सब खुलेआम हो रहा है, लेकिन संबंधित प्रशासनिक विभाग और प्रदूषण नियंत्रण इकाइयां पूरी तरह से बेखबर नजर आ रही हैं। किसानों का कहना है कि पराली नष्ट करने का कोई वैकल्पिक साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें मजबूरी में इसे जलाना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, विशेषज्ञों का मानना है कि पराली जलाने से न केवल वायु प्रदूषण होता है बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित होती है।

प्रशासन की भूमिका पर सवाल-स्थानीय निवासियों ने शिकायत की है कि प्रशासन द्वारा अब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया है। न ही किसी प्रकार की जागरूकता मुहिम चलाई जा रही है और न ही किसी किसान के खिलाफ कार्रवाई की खबर है। इससे लगता है कि संबंधित विभाग आंख मूंदे हुए हैं।

प्रभावित हो रही है आम जनता की सेहत-पराली जलाने से उत्पन्न धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और अस्थमा के मरीजों की स्थिति और भी खराब हो रही है। कई ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्रों का रुख किया है, लेकिन वहां भी पर्याप्त सुविधा न होने से उन्हें निराशा हाथ लगी है।

तिलक समारोह से लौट रहे युवक की गोली मार कर हत्या

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चंपारण । जिला के चिरैया थाना क्षेत्र स्थित गंगापीपर गांव में सोमवार की रात आयोजित तिलक समारोह से अपने घर लौट रहे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान शिकारगंज थाना क्षेत्र के अम्बरिया गांव निवासी सुभाष पांडे का 24 वर्षीय पुत्र आकाश पांडे के रूप में हुई है। वही हत्या का आरोप मृतक के दोस्त व उक्त गांव निवासी नवीन सिंह के पुत्र उत्सव सिंह एवं उसके पड़ोसी टीपू सिंह पर लगी है। जानकारी के मुताबिक राघोपुर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रत्याशी अंशु सिंह के भतीजे के तिलक समारोह में आर्केस्ट्रा डांस के दौरान उत्सव सिंह हथियार लहराने की कोशिश कर रहा था। यह देखकर मृतक आकाश ने अपने दोस्त को ऐसा करने से मना किया। लेकिन अत्यधिक नशे में होने कारण वह भड़क गया। इस बात को लेकर दोनों दोस्तों में जमकर झड़प हो गई। जिसके बाद मृतक आकाश ने अपने भाई अंकित को इस झड़प की जानकारी दी। जिसके बाद छोटे भाई ने बड़े भाई को काफी डांट लगाई। इस बात से उत्सव काफी नाराज हो गया और उसने अंकित को फोन कर काफी भला बुरा कहा तथा देख लेने की धमकी दी। जिसके बाद अंकित ने मृतक आकाश को घर आ जाने के लिए कहा।मृतक आकाश पांडे के छोटे भाई अंकित ने बताया कि उत्सव सिंह को तिलक समारोह में छोड़कर एक व्यक्ति के बाइक से भैया घर लौट रहे थे। इसी बीच परतापुर मठ के पास बाइक का तेल खत्म हो गया। जिसके बाद भैया ने दूसरी बाइक लेकर मुझे उक्त स्थान पर फोन कर बुलाया। मैं जैसे ही भैया के पास बाइक लेकर पहुंचा, उधर से नशे में धुत उत्सव सिंह एवं टीपू सिंह भी बाइक से वहां पहुंचा। इसी बीच वह हमलोगों को गाली गलौज करने लगा। जिसके बाद उत्सव सिंह ने आनन फानन में अपना देशी कट्टा निकाला और मेरे सिर पर कट्टे के पिछले हिस्से से वार कर दिया। जिससे मेरे सर से काफी खून निकलने लगा। जिसके बाद मैं जैसे ही वहां से अपने भाई को लेकर जाना चाहा, टीपू सिंह ने भैया आकाश पांडे को जोर से पकड़ लिया। जिसके बाद अचानक से उत्सव सिंह ने भैया पर गोली चला दी और वहां से दोनों फरार हो गया। गोली भैया के सीने में बाईं तरफ लगी। वह दर्द से कराहने लगा। जिसके बाद मैने अपने चाचा को फोन पर घटनास्थल पर बुलाया। घायल अवस्था में उसे ढाका अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। उल्लेखनीय है,कि मृतक आकाश पांडे के माता व पिता अपने साढू और साली के साथ तीर्थयात्रा पर गए है।

मानसून पूर्व अंतिम चरण में है नालों एवं गली मोहल्लों में नालियों की सफाई का कार्यः महापौर

बीएनएम। मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी द्वारा मानसून पूर्व विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नगर क्षेत्र के सभी प्रमुख नालों एवं गली मोहल्लों में छोटी नालियों की सफाई का कार्य अब अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है। यह कार्य शहर को जलजमाव जैसी समस्याओं से बचाने, स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं नागरिकों को एक साफ-सुथरा वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। महापौर प्रीति कुमारी ने जानकारी दी कि निगम प्रशासन द्वारा पिछले कुछ महीनों से चलाए जा रहे इस सफाई अभियान के तहत नगर क्षेत्र के कुल 42 प्रमुख नालों की गहराई से सफाई कराई जा रही है। इस प्रक्रिया में जेसीबी की सहायता ली जा रही है, ताकि नालों में जमा सिल्ट, प्लास्टिक और अन्य अवरोधों को पूरी तरह से हटाया जा सके। अब तक नगर के अधिकांश नालों की सफाई पूरी हो चुकी है, जबकि शेष बचे कुछ नालों में कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मोतिहारी नगर निगम के अनुसार यह कार्य आगामी सप्ताह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। महापौर प्रीति कुमारी ने यह भी बताया कि सफाई कार्य को पारदर्शी और प्रभावी बनाने हेतु क्षेत्रीय निरीक्षण अधिकारियों और वार्ड पार्षदों की निगरानी में यह कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक वार्ड में नाले की सफाई की प्रगति की समीक्षा प्रतिदिन की जा रही है। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नालों में कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक अथवा घरेलू अपशिष्ट न डालें। निगम की सफाई टीमों को सहयोग प्रदान करें। यह प्रयास तभी सफल होगा जब नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। मोतिहारी नगर निगम द्वारा यह भी सूचित किया गया कि जिन क्षेत्रों में नालों की सफाई कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां नियमित निरीक्षण एवं निगरानी जारी रहेगी ताकि भविष्य में कोई रुकावट उत्पन्न न हो। महापौर ने विश्वास दिलाया कि इस बार मानसून में नगर क्षेत्र में जल निकासी की समुचित व्यवस्था रहेगी। नागरिकों को जलजमाव या बदबू की समस्या से परेशान नहीं होना पड़ेगा। अगर नाला सफाई और पानी निकासी से संबंधित समस्या होने पर महापौर प्रीति कुमारी के हेल्पलाइन नंबर, स्थानीय निगम पार्षद एवं निगम के पदाधिकारियों से सम्पर्क कर सकते है। सभी छोटी-बड़ी समस्याओं का हल कराने हेतु नगर निगम मोतिहारी लगातार प्रयासरत है।

संक्षिप्त समाचार

मानदेय न मिलने से ई-रिक्शा और ठेला चालकों की हालत बदतर, भुखमरी की नौबत

बीएनएम। तुरकौलिया। तुरकौलिया मध्य पंचायत में सुबह-सुबह लोगों के दरवाजे से कचरा उठाने वाले ई-रिक्शा और ठेला चालकों की हालत इन दिनों बेहद दयनीय हो गई है। लगभग एक वर्ष से मानदेय नहीं मिलने के कारण ये कर्मी भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। ई-रिक्शा चालक नसीर मियां और ठेला चालक गया ठाकुर, भरत साह और ओजैर आलम ने बीडीओ प्रियांशु प्रिया से मिलकर अपनी व्यथा सुनाई और शीघ्र मानदेय भुगतान की मांग की है। कर्मियों ने बताया कि वर्ष 2024 में केवल जनवरी और फरवरी माह का भुगतान हुआ है, जबकि मार्च से अब तक का मानदेय बकाया है। मानदेय के रूप में प्रत्येक कर्मी को 3 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। फिलहाल पंचायत में कुल चार ठेले चल रहे हैं और हर ठेला चालक का लगभग 30,000 से 32,000 तक का बकाया हो गया है। लगातार आर्थिक तंगी से जूझ रहे इन कर्मियों का कहना है कि अब उनके लिए अपने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है।

तुरकौलिया में शराब तस्कर पिंटू सहनी गिरफ्तार, बाइक से 12 लीटर चुलाई शराब बरामद

बीएनएम। तुरकौलिया। विजुलपुर चेवर के समीप पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घोघराहा बैरिया गांव निवासी शराब तस्कर पिंटू सहनी को खदेड़कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी बाइक की डिक्की से 12 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि एक शराब तस्कर विजुलपुर के रास्ते बाइक से तुरकौलिया की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने विजुलपुर चेवर के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया। इस दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार पुलिस वाहन को देखते ही भागने की कोशिश करने लगा, जिसे पीछा कर मौके पर ही पकड़ लिया गया। गिरफ्तार पिंटू सहनी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस लगातार शराब तस्करों के खिलाफ अभियान चला रही है और ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

प्रेम प्रसंग में हुई 6 वर्षीय मासूम आयुष की हत्या

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। जिले के रक्सौल से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां प्रेम प्रसंग के चलते एक छह वर्षीय मासूम की जान ले ली गई। सात दिन पूर्व रक्सौल से लापता हुए बच्चे आयुष की गुमशुदगी के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। थाना में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के बाद पुलिस और परिजन उसकी खोज में लगातार लगे हुए थे। गायब होने के दिन से ही एक और व्यक्ति, मनोहर नामक व्यक्ति भी लापता था। मनोहर एक आशा कार्यकर्ता रेणु देवी का पति है। यह संयोग नहीं, संदेह का विषय बन गया और परिजनों को शक होने लगा। इसी बीच जोकियारी पंचायत के मुखिया राजु महतो की मदद से मनोहर की तलाश शुरू की गई। जांच में पाया गया कि मनोहर नेपाल के नारायणघाट में छिपा हुआ है। मुखिया राजु महतो के साथ परिजन नेपाल पहुंचे और मनोहर को पकड़ लिया। पूछताछ में मनोहर ने जो बताया, उससे सबके होश उड़ गए। मनोहर ने स्वीकार किया कि उसने आयुष को नारायणी नदी में पुल से नीचे फेंक दिया। जब उससे कारण पूछा गया, तो उसने बताया कि उसके अनुसार, प्रेम राज ने उसकी पत्नी को उससे दूर कर दिया था, इसलिए उसने प्रेम से बदला लेने के लिए उसके बेटे को मार डाला। गौरतलब है कि रेणु देवी जोकियारी पंचायत की आशा कार्यकर्ता हैं और प्रेम राज रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल में दवा वितरण का कार्य करता है। इनके बीच प्रेम संबंध की चर्चा लंबे समय से थी, जिस पर कई बार पंचायत भी हुई। मुखिया राजु महतो और सरपंच मुस्तजाब आलम द्वारा कई बार दोनों को समझाने की कोशिश की गई, लेकिन इनका प्रेम संबंध बना रहा। इसी प्रेम प्रसंग से नाराज होकर मनोहर ने इस दर्दनाक वारदात को अंजाम दिया। उसने आयुष को अगवा कर नेपाल ले जाकर नदी में फेंक दिया। सात दिन तक लापता रहने के बाद जब मनोहर को गिरफ्तार किया गया, तब जाकर यह सच सामने आया। फिलहाल पुलिस ने मनोहर को हिरासत में ले लिया है और मामले की सच्चाई की जांच के लिए उसे जोकियारी पंचायत के मुखिया के साथ नारायणघाट ले जाया गया है। रक्सौल थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि मनोहर के बयान की सत्यता की जांच की जा रही है और आयुष की तलाश के लिए नेपाल में छानबीन जारी है। यह घटना न सिर्फ एक मासूम की जान चली जाने का मामला है, बल्कि यह समाज में प्रेम प्रसंग और पारिवारिक विघटन के गंभीर परिणामों को भी उजागर करती है।

वाहनों की टक्कर में एक दर्जन यात्री जख्मी

बीएनएम। बगहाः बेतिया एन एच 727 मुख्य सड़क के डूमरिया चौक के समीप मंगलवार की दोपहर अभिषेक नामक यात्री बस में पीकप भान ने अचानक टक्कर मार दी। बस में सवार लगभग एक दर्जन यात्री गंभीर रूप से जख्मी हो गये। दुर्घटना की सुचना पर पहुंची चौतरवा थाना की पुलिस और बगहा थाना की 112 नंबर की गाड़ी ने मौके पर पहुंच कर जख्मी व्यक्तियों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बेतिया के तरफ से बगहा जा रही अभिषेक नामक यात्री बस जैसे ही डूमरिया गांव चौक के समीप पहुंची ही थी कि बगहा के तरफ से तेजगति और रफ्तार से आ रही पीकप भान ने बस में टक्कर मार दी। बस में सवार लगभग एक दर्जन यात्री गंभीर रूप से जख्मी हो गयें। घटना की सुचना स्थानीय लोगों ने नगर थाना बगहा एवं चौतरवा थाना पुलिस को दी। घटना की सुचना मिलते ही चौतरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर जख्मियों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा। चौतरवा थाना के सब - इन्स्पेक्टर संजय पासवान ने बताया कि यात्री बस और पीकप भान की टक्कर में लगभग एक दर्जन यात्री जख्मी हो गयें। जिन्हें इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा गया है। तथा पीकप भान को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि बेतिया के तरफ से अभिषेक नामक यात्री बस बगहा जा रही थी। तथा बगहा के तरफ से चौतरवा के तरफ जा रही पीकप भान तेज रफ्तार मे था, जो बस में टक्कर मार दिया। जिसमें एक दर्जन लोग जख्मी हो गये।

ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

बीएनएम। लखीसराय । केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन समारोह धूमधाम से हुआ। समापन कार्यक्रम विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम में रोहित राज गुप्ता, अनन्या गुप्ता, गोविंदा, आरुषि, आनंद, पीयूष, शिवम, साहिल और आराध्या सहित कई विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने बंगाल की समृद्ध परंपरा, लोक संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों पर आधारित भाषण और प्रस्तुतियां दीं।शिविर का उद्देश्य बच्चों को भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक विविधताओं से जोड़ना था, जो सफल रहा। विद्यालय के प्राचार्य मिहिर कुमार ने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि यह मंच बच्चों की प्रतिभा और रचनात्मकता को निखारने का अवसर प्रदान करता है।समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए गए। गणित शिक्षक रामानंद ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

जमुई रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टलाः पटना-जसीडीह मेमू ट्रेन में लगी आग, कोई हताहत नहीं

बीएनएम। जमुई। पटना-जसीडीह मेमू (ट्रेन संख्या 13208) में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना मंगलवार दोपहर लगभग 2 बजे की है, जब ट्रेन मलयपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 2 पर पहुंची थी। इसी दौरान ट्रेन के दो कोचों के बीच कनेक्शन तार में अचानक धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। अचानक आग लगने से यात्रियों में भगदड़ मच गई। लोग जान बचाने के लिए कोच से उतरकर इधर-उधर भागने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर रेलवे कर्मियों, पदाधिकारियों और फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है, जिससे एक बड़ी रेल दुर्घटना टल गई। रेलवे कर्मियों द्वारा जले हुए कोच को ट्रेन से अलग करने की प्रक्रिया जारी है। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है और ट्रेन के परिचालन को फिर से सुचारू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नहर में डूबे दो युवकों की मौत

शवों को निकाला गया बाहर

बीएनएम। बैरिया

मृतकों के परिवार वालों में मचा कोहराम

बैरिया घटनास्थल पर लगी भीड़

बैरिया थाना क्षेत्र के मथौली तिरहुत मुख्य कैनाल में सोमवार की दोपहर डूबे दोनों युवकों के शवों एसडीआरएफ की टीम ने मंगलवार की दोपहर खोज निकाला । दोनों युवकों का शव मथौली नहर और मुक्ति घाट के बीच फंसा हुआ था । घटना के 20 घंटे बाद नहर में डूबे रोशन कुमार व कुलदीप कुमार का शव मथौली नहर और मुक्ति घाट के पास तिरहुत कैनाल से निकाला गया । शव की तलाश के दौरान बेतिया नगर की महापौर गरिमा देवी शिकारिया भी नहर के तटबंध पर उपस्थित थी। शव पानी से निकलते ही नहर के तटबंध खड़े परिजनो का चित्कार गूजने लगी । अपने पुत्रों के गहरी नींद में सोए देख उनके परिजन बिलख बिलख कर रोने लगे। परिजनों का आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहा था। कल तक अपने घरों में रहने वाला यह दोनों युवक आज मौत की नींद में सदा के लिए सो गया। किसे पता था घर से नहर में स्नान करने आने आए दोनों युवकों का शव घर में वापस जाएगा । नहर के पानी से शव बाहर निकलते ही तट पर खड़े सैकड़ो लोगों की आंखें डबडबा गई। कल तक दोपहर इन युवकों के परिजनों को भी नहीं पता था कि यह स्नान करने तो जिंदा जा रहे हैं मगर वापस इनका शव आएगा । शव के बगल दहाड़ मारती मां कभी गिर जा रही थी तो कभी बेहोश हो जा रही थी। बैरिया थानाध्यक्ष अंजेश कुमार ने बताया कि दोनों ययुवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेतिया जीएमसी एच भेज दिया।

असामाजिक तत्व ने धार्मिक स्थल को किया क्षतिग्रस्त

» बकरीद पर्व के बाद भी तैनात रहेगी पुलिस - एसडीपीओ

बीएनएम। जमुई/ झाझा

थाना क्षेत्र की केशोपुर पंचायत के केशोपुर गांव में एक आस्था स्थल को असमाजिक तत्वों के द्वारा तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जिससे माहौल बिगड़ गया और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ मौके स्थल पर लग गई और लोगों ने वैसे असमाजिक तत्वों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने की मांग करने लगी। वही पुलिस ने माहौल को पूर्ण रूप से सामान्य करने के बाद टूटे हुए स्थूल का पुनर्निर्माण का कार्य शुरू करवाया। जिसपर मौजूद सभी समुदाय के लोगों ने पुलिस के कार्य की काफी सराहना की और भरोसा दिया कि हमलोग एकता हमेशा बनी रहेगी। ग्रामीणों ने बताया कि गांव से कुछ दूरी पर सड़क किनारे 150 वर्ष पुराना यह स्थान है । जहां केशोपुर, जामुखरैया, ढिबा सहित अन्य कई गांव के एक समुदाय के अलावे अन्य धर्म के लोग अपनी अपनी मुराद पूरी करने को लेकर लोग मन्नत मांगने के लिए आते है और मन्नत पूर्ण होने पर पूजा पाठ भी करते है। इस तरह की हरकत करना समाज मे भेदभाव उतपन्न करने की साजिश असमाजिक तत्वों द्वारा किया गया। मौके स्थल पर अलग अलग समुदाय के लोगों ने कहा कि हमलोगो के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण हमेशा बना रहेगा। इधर घटना की जानकारी झाझा पुलिस को लोगों ने दी तो एसडीपीओ राजेश कुमार, एसएचओ संजय सिंह, प्रभारी सीओ आरती भूषण, एएसआई मुकेश सिंह, चंदन कुमार सहित जिला से बड़ी संख्या पुलिस बल मौके स्थल पर पहुंचकर तनाव उतपन्न होने जैसी माहौल को पूर्ण रूप से काबू पाया और तुरन्त पुलिस छवनी में तब्दील हो गया। एसडीपीओ ने ग्रामीणों से पूर्ण जानकारी ली। एसडीपीओ ने बताया कि जो भी इस तरह की हरकत कर सौहार्दपूर्ण समाज को बिगाड़ने की कोशिश किया है। उसपर सख्ती से कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अरेराज नगर पंचायत में पर्यावरण संरक्षण की शपथ

बीएनएम।अरेराज

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत अरेराज नगर पंचायत में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष पहल की गई। 1 जून से 5 जून तक चलने वाले इस जागरूकता अभियान के तहत आज नगर पंचायत कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की शपथ दिलाई गई। इस शपथ ग्रहण समारोह का नेतृत्व स्वच्छता पदाधिकारी निश्चल कुमार ने किया। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने पर्यावरण को स्वच्छ, हरा-भरा और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया। समारोह में प्रमुख रूप से वार्ड आयुक्त श्रवण कुमार, मुख्य सहायक त्रिभुवन कुमार, आकाश कुमार, राम एकबाल गुप्ता, धनंजय कुमार, नंद किशोर गुप्ता, मीना देवी, रविंद्र यादव, विकास मित्र राकेश कुमार, स्वच्छता साथी और स्वयं सहायता समूह की दर्जनों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम करने के लिए प्रेरित करना है। नगर पंचायत अरेराज ने इस पहल के माध्यम से स्वच्छ, सुंदर और टिकाऊ वातावरण के निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया।

दिल दहला देने वाली घटना के खिलाफ कांग्रेस का आक्रोश

» अरेराज में मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री का पुतला दहन

बीएनएम।अरेराज

मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र में एक नौ वर्षीय दलित बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के प्रयास के खिलाफ आज अरेराज में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई० शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय का पुतला दहन कर घटना की कड़ी निंदा की गई। ई० राय ने इस घटना को "मानवता को शर्मसार करने वाली, और राज्य सरकार की असंवेदनशीलता व कानून व्यवस्था की विफलता" बताया। उन्होंने कहा कि पीड़िता को समय पर उचित इलाज नहीं मिलना बिहार के स्वास्थ्य तंत्र की जमीनी हकीकत को उजागर करता है। बच्ची को मुजफ्फरपुर से पटना तक भटकाया गया और अंततः पीएमसीएच में भर्ती प्रक्रिया में घंटों की देरी के बाद उसकी मृत्यु हो गई।

कांग्रेस की मांगें

- दोषियों को त्वरित न्याय और फांसी की सजा दी जाए।
- पीड़ित परिवार को 50 लाख मुआवजा और एक सरकारी नौकरी दी जाए।
- सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की स्थायी नियुक्ति सुनिश्चित की जाए।
- दलित एवं पिछड़े वर्गों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाया जाए।

ई० राय ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार जल्द ठोस कार्रवाई नहीं करती है, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी और सड़क से लेकर सदन तक जनता की आवाज बुलंद करेगी। इस विरोध प्रदर्शन में जिला युवा प्रभारी ओमप्रकाश कुशवाहा, जिला परिषद सदस्य पप्पूरंजन मिश्रा, विजय कुमार जायसवाल, रूमा खां, प्रखंड अध्यक्ष बजेन्द्र तिवारी, रविन्द्र तिवारी, प्रिंस मिश्रा, पप्पू मिश्रा, मुन्ना मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पश्चिम चम्पारण के नये जिला पदाधिकारी, धर्मेन्द्र कुमार ने किया पदभार ग्रहण

जिले का समग्र विकास मेरी पहली प्राथमिकता : जिलाधिकारी

बीएनएम। बेतिया

जिले के नए डीएम धर्मेन्द्र कुमार ने मंगलवार को पश्चिम चंपारण समाहरणालय पहुंच कर पदभार ग्रहण किया। नव पदस्थापित जिलाधिकारी को निवर्तमान जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने पदभार सौंपा। जिलाधिकारी द्वारा पदभार ग्रहण करने के उपरांत उपस्थित पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए जिले में क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी ली गयी। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ जिले के हर तबके तक पहुंचाने के लिए सभी को कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले की ऐतिहासिक धरती पर आकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। जिले के विकास के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी ईमानदारी एवं तत्परतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा ताकि यह जिला और तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर हो सके। उन्होंने कहा कि विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा जो भी विकास के कार्य किये गये है उनको तीव्र गति से लक्ष्य तक पहुंचाया जायेगा। पदभार सौंपने के उपरांत निवर्तमान जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि ऐतिहासिक पश्चिम चम्पारण की धरती को वे कभी भी नहीं भूलेंगे। जिले के लोगों का प्यार और स्नेह हमेशा साथ रहेगा। पश्चिम चम्पारण से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। यहां के अधिकारियों कर्मियों एवं लोगों का अच्छा सहयोग मिला है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले को विकास के पथ पर तेजी के साथ बढ़ाने में जिस तरह से आपने सहयोग किया है, उसी प्रकार नये जिलाधिकारी को भी सहयोग प्रदान करेंगे ताकि इस जिले का समग्र विकास हो सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, अपर समाहर्ता राजस्व राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार रविन्द्र, नगर आयुक्त नगर निगम बेतिया लक्ष्मण तिवारी सहित जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पताही थाना क्षेत्र में अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

बीएनएम। पताही

थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जिहुली गांव निवासी अभय कुमार सिंह के पुत्र नवनीत कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 53 लीटर 400 मिली नेपाली सॉफिया शराब बरामद की है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष विनीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पताही थाना क्षेत्र में शराब माफियाओं के लिए अब जगह नहीं बची है। विनीत कुमार ने सख्त लहजे में कहा कि जो भी शराब बेचने का काम कर रहे हैं, वे अविलंब इसे छोड़ दें, अन्यथा बहुत जल्द उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। थाना अध्यक्ष ने बताया कि जिहुली गांव बागमती नदी के पास स्थित है, जिसके चलते तस्करों के लिए यह क्षेत्र संवेदनशील बन जाता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि गश्त को और सख्त करने के लिए पदमुकेर और खोरीपाकर जैसे इलाकों में विशेष अभियान चलाया जाएगा।

विश्व साइकिल दिवस पर मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन

बीएनएम। तिरहुत

पूर्वी चंपारण। विश्व साइकिल दिवस पर मंगलवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत साइकिल रैली निकाली गई। रैली को समाहरणालय परिसर से जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल, नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, डीडीसी और एसडीओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया,जो चरखा पार्क तक पहुंची।साइकिल रैली में स्कूली छात्र-छात्राएं और जिला साइक्लिंग क्लब के सदस्यो ने हिस्सा लिया। जो लोगो को वोटिंग और फिटनेस के प्रति जागरूक बनाने वाली तख्तियो के साथ नगर भ्रमण किया। मौके पर जिलाधिकारी ने बताया कि रैली का उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के साथ ही, स्वास्थ्य के फिटनेस और पर्यावरण के प्रति प्रेम को बढ़ाना था।उन्होने आम जनता खासकर युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का भी आह्वान किया।

विशेष विकास शिविर के कार्यों की समीक्षा बैठक : बीडीओ

पंचायतों के दलित महादलित टोलों में आयोजित शिविर में ससमय करें निष्पादन

बीएनएम। बगहा

प्रखंड बगहा एक कार्यालय प्रकोष्ठ में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में डॉक्टर अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के विशेष विकास शिविर के पिछले कार्यों एवं शिविर के सफलतापूर्ण संचालन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं आवास पर्यवेक्षक,पंचायत कार्यपालक सहायक,विकास मित्र एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक आदि विभिन्न विभाग के कर्मी उपस्थित रहे।बीडीओ ने निर्देश दिया प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में सभी दलित महादलित टोलों में आयोजित विशेष विकास शिविर में अभी तक प्राप्त आवेदनों का ससमय निष्पादन करना सुनिश्चित करें साथ हीं आगामी 4 जून बुधवार को प्रखंड बगहा एक के विभिन्न पंचायतों में आयोजित होने वाले विशेष विकास शिविर के आयोजन पर विस्तृत चर्चा किया।बीडीओ प्रदीप कुमार ने प्रखंड कल्याण पदाधिकारी साक्षी मिश्रा एवं अन्य पंचायत कर्मियों से विकास शिविर से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए विभिन्न विभागों के कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।बीडीओ ने बताया कि 4 जून को प्रखंड बगहा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के दलित महादलित टोलों में आयोजित होने वाले विकास शिविर में सरकार की कुल 22 कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दलित महादलित समुदायों को देना है।वही योजनाओं में राशन कार्ड, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र आंगनवाबाडी केंद्र,विद्यालय में नामांकन,राशन कार्ड,ई-श्रम कार्ड, जॉब कार्ड, वृद्धा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान कार्ड व प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य पंचायत स्तरीय योजनाएं शामिल हैं।बीडीओ ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को विकास शिविर की सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा कार्यों का समुचित विभाजन किया गया। बीडीओ ने सभी अधिकारियों एवं पंचायत कर्मियों से समयबद्ध रूप से कार्यों को निष्पादित करने व दलित महादलित समुदाय को योजनाओं का समुचित लाभ सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।प्रखंड कल्याण पदाधिकारी साक्षी मिश्रा ने बतायी कि प्रखंड क्षेत्र विभिन्न पंचायत के दलित महादलित टोले के लिए एक माइक्रो प्लान तैयार किया गया। जिसके तहत विकास शिविर में शिविर प्रभारी, विकास मित्र, टोला सेवक, पंचायत कार्यपालक सहायक, स्वच्छता पर्यवेक्षक अन्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। 4 जून बुधवार के दिन शिविर में सभी ससमय उपस्थित रहेंगे। जिसमें उपस्थित कर्मी टोले में योजनाओं से अच्छादित हेतु सभी विभागीय कर्मी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन आवेदन जमा करेंगे। बीडब्ल्यूओ ने बतायी कि प्रत्येक सप्ताह बुधवार एवं शनिवार को एससी-एसटी टोले में यह विकास शिविर नियमित रूप से जारी रहेगा।मौके पर आवास पर्यवेक्षक नितीश कुमार, विकास मित्र छोटेलाल राम, रोहित राम, मदन राम, दीपू राम, संगीता आर्या, अरुणा, शोभा, कलावती, कार्यपालक सहायक मृत्यंजय कुमार, अजय कुमार, मनोज, सुकांत, उत्तम, ज्योति, सोनम, जाह्नवी, श्रेया आदि पंचायत कर्मी उपस्थित रहे।

लेजर हथियारों के साथ लड़ा जाएगा विश्व युद्ध?

इजराइल दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने युद्ध क्षेत्र में लेजर हथियारों का इस्तेमाल कर दुश्मन के ड्रोन गिराये हैं। इजराइल के रक्षा मंत्रालय के ब्रिगेडियर जनरल ने इसकी पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि हमने हाई पावर लेजर का पहला प्रयोग युद्ध भूमि पर सफलतापूर्वक किया है। एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें लेजर किरणें ड्रोन पर निशाना साधते हुए दिख रही हैं। लेजर किरणों से ड्रोन के पंख में आग लग गई और वह गिरकर नष्ट हो गया। लेजर सिस्टम की इजराइल डिफेंस कंपनी ने इसे विकसित किया है। यह तकनीक प्रकाश किरण (लेजर बीम) के माध्यम से अपने लक्ष्य को तय करती है और लक्ष्य में पहुंचते ही उसे नष्ट कर देती है। इजराइल लेजर को आयरन बीम के साथ जोड़कर बड़े पैमाने पर इसकी तैनाती कर रहा है। वर्तमान में तीसरे युद्ध की आशंका देखने को मिल रही है। घातक हथियारों से पूरी दुनिया के देश लेस हैं। तीसरा विश्व युद्ध अत्याधुनिक तकनीकी से लड़ा जाएगा, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई, ऑटोमेटिक सिस्टम और घातक हथियारों के साथ होगा। यदि इस प्रकार से तीसरा विश्व युद्ध होगा तो कितना विनाशकारी होगा, इसकी कल्पना मात्र से भय लगता है। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से युद्ध क्षेत्र में पारंपरिक हथियार ड्रोन के माध्यम से अत्याधिक स्वचालित प्रणाली से जो युद्ध लड़े जा रहे हैं, वह मानवीय जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। अत्याधुनिक प्रभावशाली घातक हथियार जिस तरह से विनाश कर रहे हैं, उसको देखते हुए आज सारी दुनिया भयाक्रांत है। किस देश ने कौन सी तकनीकी तैयार कर ली हैं और कौन से हथियार तैयार कर लिए गए हैं, इसकी जानकारी अन्य देशों के पास उपलब्ध नहीं होने से इनसे बचाव करना भी बड़ा मुश्किल हो गया है। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले कई महीनों से युद्ध चल रहा है। इसमें दोनों ही देश का भारी विनाश हुआ है। इजराइल आज सारी दुनिया के लिए एक सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच शुरू हुए युद्ध में अभी तक लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा एक तरह से बर्बाद हो चुका है।

भारत में कोरोना की नई लहर और चुनौतियां

डॉ. अंसार अहमद

कोरोना (कोविड-19) की नई लहर भारतीय स्वास्थ्य तंत्र के लिए एक गंभीर परीक्षा है। हालांकि टीकाकरण, जांच, और जनसंचार के स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी अवसंरचनात्मक कमिया, असमान पहुंच और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां अभी बनी हुई हैं। यदि अतीत से मिले सबक को अपनाते हुए निरंतर निवेश और ठोस रणनीति को अपनाएं तो भारत न केवल वर्तमान संकट से निपट सकता है बल्कि एक समावेशी, लचीले और भविष्य के लिए तैयार स्वास्थ्य तंत्र की स्थापना भी कर सकता है। एसएआरएस-सीओवी-2 वायरस से फैली कोविड-19 महामारी वैश्विक स्तर पर भारी तबाही मचा चुकी है। मई 2025 तक भारत में 4.5 करोड़ से अधिक पुष्टि किए गए मामले और 5.33 लाख से अधिक आधिकारिक रूप से दर्ज की गई मौतें हो चुकी हैं। अब नए वेरिएंट्स के साथ कोविड-19 की एक नई लहर ने भारतीय स्वास्थ्य तंत्र को एक बार फिर गंभीर दबाव में ला खड़ा किया है। भारत में कोविड-19 का पहला मरीज 30 जनवरी 2020 को सामने आया था। वुहान (चीन) से लौटे तीन मेडिकल छात्रों में वायरस की पुष्टि हुई थी। इसके बाद विभिन्न वेरिएंट्स, जैसे बी.1.617 (डेल्टा) और बी.1.1.7 (अल्फा) ने खासकर 2021 की दूसरी लहर के दौरान व्यापक तबाही मचाई। मई 2025 में सोशल मीडिया रिपोर्ट्स और सरकारी अलर्ट के अनुसार, जेएन.1 जैसे नए वेरिएंट्स की उपस्थिति ने स्वास्थ्य तंत्र को फिर से सतर्क कर दिया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और भारतीय एसएआरएस-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) ने जीनोमिक निगरानी तेज कर दी है। अस्पतालों में गंभीर श्वसन रोग और फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों पर बारीक नजर रखी जा रही है। हालांकि इस लहर में अस्पताल में भर्ती और मृत्यु दर अपेक्षाकृत कम है, फिर भी मास्क पहनने की सलाह और सतर्क निगरानी इस वायरस के लगातार खतरे की पुष्टि करती है। इस लहर के उभरने के प्रमुख कारणों में वेरिएंट्स की जेनेटिक परिवर्तनशीलता है। एसएआरएस-कोव-2 की निरंतर उत्परिवर्तन क्षमता ने मौजूदा वैक्सीन और उपचारों की प्रभावशीलता को कम कर दिया है। आईएनएसएसीओजी लगातार नए वेरिएंट्स की पहचान में जुटा है, लेकिन 1.3 अरब की आबादी में समग्र जीनोमिक निगरानी करना एक जटिल चुनौती बना हुआ है। दूसरा टीकाकरण की अपनी सीमा है। भारत ने अब तक अरबों वैक्सीन डोज वितरित की हैं, लेकिन बूस्टर खुराक की कम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित पहुंच से प्रतिरक्षा क्षमता कम हो गई है, जिससे पुनः संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसके सामाजिक औरआर्थिक कारक भी हैं। पिछली लहरों से क्षतिग्रस्त अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, और अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं ने जनता की भेद्यता को और बढ़ाया है, जिससे नई स्वास्थ्य पहलों की सफलता सीमित होती जा रही है। भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। इनमें स्वास्थ्य अवसंरचना पर बोझ का बढ़ना है। 2021 की दूसरी लहर ने भारतीय स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों को उजागर किया है। ऑक्सीजन, आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की भारी कमी सामने आई। सरकार ने 600 से अधिक विशेष कोविड-19 केंद्र स्थापित किए और रेलवे कोच को आइसोलेशन वार्ड में परिवर्तित किया, फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं आज भी अपर्याप्त हैं। भारत में डॉक्टर से मरीज का अनुपात 1:1700 है और कई ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक स्टाफ की भारी कमी है। जांच और निगरानी की सीमाएं भी हैं। 2020 के मध्य तक भारत में लगभग 49 लाख नमूनों की जांच की जा चुकी थी, लेकिन राज्यों के बीच जांच क्षमता में असमानता बनी रही। बिहार जैसे राज्यों में जांच दर दिल्ली की तुलना में बहुत कम रही। जीनोमिक

निगरानी के बावजूद, त्वरित निदान और एकत्रित परीक्षण जैसी रणनीतियों की आवश्यकता बनी हुई है ताकि संक्रमण पर समय रहते काबू पाया जा सके। स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और थकावट से सब परिचित हैं। स्वास्थ्यकर्मी कोविड-19 की सबसे अग्रिम पंक्ति में रहे हैं। वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, कुल मामलों में से 4–12 प्रतिशत मामले स्वास्थ्यकर्मियों में दर्ज हुए और 2020 तक भारत में 90 से अधिक डॉक्टर अपनी जान गंवा चुके थे। हालांकि रोजाना छह लाख पीपीई किट का उत्पादन शुरू हुआ, फिर भी गुणवत्ता और वितरण संबंधी समस्याएं बनी रहीं। स्वास्थ्यकर्मियों की शारीरिक और मानसिक थकावट स्वास्थ्य प्रणाली की लचीलापन क्षमता के लिए खतरा है। सामाजिक और व्यवहारिक अवरोध की दिक्कतें अलग हैं। शहरी इलाकों की घनी आबादी और अस्वच्छ परिस्थितियां सामाजिक दूरी का पालन करना मुश्किल बना देती हैं। 2020 का लॉकडाउन प्रवास, बेरोजगारी, और खाद्य संकट का कारण बना। गलत जानकारी और सामाजिक कलंक ने लोगों को जांच या उपचार से हतोत्साहित किया। जागरुकता अभियान शुरू किए गए, लेकिन व्यवहार में बदलाव धीमा और असमान रहा। भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया, जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित कोविशील्ड प्रमुख रही। हालांकि बूस्टर डोज की कम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच की समस्या आज भी बरकरार है। आईसीएमआर ने आरटी-पीसीआर किट को मंजूरी दी और रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट शुरू किए। एकत्रित परीक्षण और स्व-परीक्षण किट जैसे उपाय संक्रमण की शृंखला को तोड़ने में सहायक हो सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और पोस्ट-कोविड देखभाल पर जोर दिया। हालिया दिशा-निर्देशों में सतर्कता और संतुलन की रणनीति को प्रमुखता दी गई है। 2021 के बजट में वन हेल्थ कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जो मनुष्य, पशु और पर्यावरण की संयुक्त स्वास्थ्य दृष्टिकोण को महत्व देता है। इसके लिए नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी ने एक विशेष केंद्र की स्थापना की है। हालांकि कुछ महत्वपूर्ण कमियां अब भी मौजूद हैं। मसलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में जूनोटिक महामारियों की आशंका को समुचित रूप से शामिल नहीं किया गया। टीबी नियंत्रण और टीकाकरण कार्यक्रमों पर असर पड़ा, जैसे कि 2019 से 2020 के बीच टीबी के मामलों में 24 फीसद की गिरावट आई। कोरोना महामारी ने लैंगिक असमानता को और गहराया। महिलाओं को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा और देखभाल का बोझ भी अधिक पड़ा।

सबक और आगे की राह- स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के न्यूनतम 2.5 फीसद तक बढ़ाना समय की मांग है। डिजिटल तकनीक और विकेंद्रीकृत मॉडल अपनाकर प्रतिक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उच्च गुणवत्ता वाले पीपीई, पर्याप्त स्टाफिंग और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं दी जानी चाहिए। पारदर्शी संदेशों और सांस्कृतिक संवेदनशीलता पर आधारित अभियानों से गलतफहमियां दूर की जा सकती हैं। आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक पद्धतियों को रोकथाम में सम्मिलित कर सामुदायिक प्रतिरक्षा को मजबूत किया जा सकता है। वैक्सीन वितरण और वेरिएंट निगरानी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारत की तैयारी को सुदृढ़ कर सकता है।

सूडोकु नवताल- 7450

सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7449 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

आतंकवाद के वित्तपोषण पर रोक जरूरी

सुरेश हिंदुस्तानी

आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलीयत को उजागर करने के लिए भारत ने बड़े रणनीतिक स्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं, भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की ओर से किया गया। इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्रवाई ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है। भारत के प्रतिनिधिमंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे कास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपने प्रतिनिधिमंडलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है। यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग-थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है। इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित कया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग-थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं हैं। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है। आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिद्दीन, सिपाह ए सहाबा, हिजबुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियां चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है। पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। अमेरिकी स्टेट डिमार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्रवाई करने की बात करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर सेना और राज्य सरकारों की ओर से आतंकी संगठनों को खाद पानी प्राप्त होता रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद की जड़ें बहुत ही गहरी हैं। विश्व बिरादरी को पाकिस्तान की वास्तविकता बताने के लिए भारत की ओर से ठोस रणनीति बनाकर कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है, जहां पाकिस्तान सरकार को अपने ही देश के विपक्षी दलों के कोप का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारत सरकार के साथ विपक्ष के सांसदों ने पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सामूहिक वैश्विक अभियान चलाया है। इससे पाकिस्तान को यह डर सता रहा है कि कहीं पाकिस्तान एक बार फिर से ग्रे सूची में ना आ जाए। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि पाकिस्तान की तसवीर यही चित्र प्रदर्शित कर रही है। आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में अब इतना साहस नहीं है कि वह विश्व के आर्थिक प्रतिबंधों को झेल सके। इसमें पाकिस्तान में आतंरिक विरोधाभास आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। ब्लूचिस्तान में पाकिस्तान से अलग होने के लिए चल रहे आंदोलन में और तेजी आई है। इतना ही नहीं बीएलए ने तो कई कदम आगे बढ़कर अपने आपको स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है। ब्लूचिस्तान का यह कदम पाकिस्तान को बहुत कमजोर करने वाला है। पाकिस्तान के बारे में यह आम धारणा निर्मित हो चुकी है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इसके अलावा यहां पर आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषित भी किया जाता है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आपके लिए सफलता का नया मार्ग दिखाने वाला साबित होगा। आज आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। इस राशि के जिन लोगों का आज बर्थडे है वो दोस्तों को अपने हाथ की बनायी डिश खिलाएंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपकी परेशानी जिससे आप काफ़ी दिनों से परेशान थे उसका निवारण हो जायेगा। आज ऑफिस में कलीग को आपसे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। इस राशि के जिन लोगों को किसी बिजनेस की शुरुआत करनी है उनके लिए आज का दिन बढ़िया है। आप शुरू कर सकते हैं। आज मीडिया, आर्ट, पब्लिकेशन से जुड़े लोगों के लिए अच्छा दिन है, आपको नयी उपलब्धियां मिल सकती हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी नए काम को शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का विचार बनायेंगे, मन में भक्ति-भाव बना रहेगा। इस राशि के अविवाहितों को आज विवाह के प्रस्ताव मिलेंगे। आज नजदीकी रिश्तों से गिले-शिकवे दूर करने का प्रयास सफल रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज किसी काम में बड़े भाई की सलाह से आपको पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा, रिश्ते में भी मधुरता बढ़ेगी। आज आप काम करने से पहले पॉजिटिव और नेगेटिव हिस्सों पर सोच-विचार करेंगे, सफलता मिलनी तय है। दांपत्य जीवन में आज खुशहाली रहेगी, घर में मेहमानों के आने और मेल-मिलाप से खुशी बढ़ेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। अपने व्यापार को बढ़ाने की योजना पर काम करने का अच्छा समय है। आज घर की सजावट में किये गए बदलाव से आपको खुशी मिलेगी। लवमेट आज कही घूमने की प्लानिंग बना सकते हैं। आज कार्यस्थल पर व्यस्तता से भरे माहौल से निकलकर शाम को परिवार के साथ टाइम स्पेंड करेंगे। अपने करियर को बेहतर दिशा देने के लिए माता-पिता से विचार-विमर्श करेंगे।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहेगा। प्रॉपर्टी से सम्बंधित अगर समस्या चल रही है तो आज उसे सुलझाने का अच्छा समय है। आज आपकी मेहनत के अच्छे नतीजे मिलेंगे। स्टूडेंट्स के करियर में आ रही समस्याओं का समाधान मिल सकता है। कार्यस्थल पर अपनी काबिलियत दिखाने का आज अच्छा मौका है। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपके सामने कुछ नयी चुनौतियां आएंगी जिसे आप अपनी बुद्धिमत्ता से सुलझा लेंगे। कामकाज में आज आपको गोपनीयता बनाकर रखने की जरूरत है। रुका हुआ पैसा मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज पारिवारिक रिश्तों में ताल-मेल बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन बढ़िया रहेगा। आपका सरकारी मामला जो काफी दिनों से रुका हुआ है उसमें आपको जीत मिल सकती है। आज परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, आप बच्चों के भविष्य के बारे में बातचीत करेंगे। आज दोपहर बाद आपकी यात्रा के योग है इससे आपके बिजनेस में ज्यादा धनलाभ होगा।

धनु राशिः आज का दिन उत्तम रहेगा। आज जरूरी कामों से थोड़ा समय निकालकर अपने पसंदीदा कामों में बिताएंगे, आपकी प्रतिभा में निखार आएगा। आज भौतिक सुख-सुविधाओं से रिलेटेड चीजों की खरीददारी करेंगे, आपको खुशी मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज काम के मामले में आप दूसरों की बातों को इग्नोर करृ अपनी काबिलियत पर भरोसा करेंगे, आपको जल्द ही इसका अच्छा रिजल्ट मिलेगा। आज कामकाज और परिवार की जिम्मेदारियों में ताल-मेल बना रहेगा। आज प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री में अच्छी डील होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आप का बिजनेस में काम व्यवस्थित रहेगा, आपके आसपास के कारोबारियों से चल रहे कॉम्पटीशन में आपकी जीत तय है। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब कर रहे हैं वो आज काम में लापरवाही न करें, जल्द ही आपके इन्क्रीमेंट के योग बन रहे हैं।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज काम आपके मन मुताबिक पूरा होगा। घर में धार्मिक कार्यक्रम की योजना बनेगी, इससे बच्चों में भी उत्साह देखने को मिलेगा। आज विपरीत परिस्थितियों से निकलने के लिए किसी मित्र की सहायता आपके लिए वरदान साबित होगी। भावनाओं में आकर फैसला लेने से बचें।

घातक साबित हो सकती है सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति

तनवीर जाफ़री

पहलगाम में हुये पाक प्रायोजित हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से किये गये ऑप्रेशन सिन्दूर के बाद सत्ताधारी दल भारतीय सेना के शौर्य को भुनाने में लग गया है। निश्चित रूप से हमारे सैनिकों ख़ासकर भारतीय वायु सेना ने जिस बहादुरी के साथ पाक अधिकृत कश्मीर सहित पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया उससे भारतीय जनता का मनोबल भी ऊँचा हुआ है साथ ही पाकिस्तान भी अपनी औक़ात को समझ चुका है। परन्तु जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस सैन्य शौर्य का राजनीतिकरण करने की कोशिश की जा रही है इस पर सवाल ज़रूर उठाये जा रहे हैं। ख़ासकर प्रधानमंत्री के उस चित्र को लेकर जिसमें वे सैन्य वर्दी में एक लड़ाके की भूमिका में, पृष्ठभूमि में वायुसेना के लड़ाकू विमान के साथ प्रचारित किये जा रहे हैं।उधर भारत की तरफ़ से कई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व कई अन्य ज़िम्मेदार नेताओं द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में पुनः शामिल करने को लेकर सार्वजनिक रूप से बातें की जा रही हैं। और इसी बीच भारतीय वायुसेना प्रमुख ने सरकार की आँखें खोलने वाले कुछ बयान भी दिये हैं। साथ ही सरकार द्वारा शुरू की गयी अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। पिछले दिनों सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने ख़ास तौर पर स्वदेशी सैन्य परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए रक्षा सौदों में देरी के मामलों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि तेजस Mk1A फ़ाइटर जेट की डिलीवरी रुकी हुई है। जो फ़रवरी 2021 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये में हुई थी। उन्होंने कहा कि ऑर्डर किए गए 83 विमानों में से अब तक एक भी विमान हमें नहीं दिया गया है, जबकि इसकी डिलिवरी मार्च 2024 में ही शुरू होने वाली थी। तेजस Mk2 का प्रोटोटाइप अभी तक रोल आउट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि तेजस सहित कई बड़ी डील हुई, पर अभी तक डिलीवरी का पता नहीं। प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल ने रक्षा ख़रीद परियोजनाओं में देरी पर गंभीर चिंता जताते हुये स्वदेशी प्रोजेक्ट्स का ज़िक्र किया और साफ़ तौर से यह कहा कि हमें जो चीज़ आज चाहिए, वो आज ही चाहिए। युद्ध, सेनाओं को सशक्त बनाकर जीते जाते हैं। इसी तरह स्टील्थ AMCA फ़ाइटर का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तख़त करते वक़्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि - मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत तेज़ी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर ज़ोर दे रही है। दूसरी तरफ़ सरकार द्वारा चलायी गयी अग्निवीर योजना को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष तो इस योजना को लेकर शुरू से ही आक्रामक था जबकि सरकार तरह तरह के तर्क देकर इस योजना के फ़ायदे गिनाने में लगी है। परन्तु अग्निवीर को लेकर अब जो सच्चाइयां सामने आ रही हैं वह भी भारतीय सेना के लिये चिंता बढ़ाने वाली हैं। इस समय सेना में अधिकारी रैंक के 16.71% पद रिक्त हैं। क्योंकि हर साल 60 हज़ार सैन्यकर्मी सेवानवृत्त भी हो रहे हैं। जबकि भर्ती का अनुपात इसके विपरीत है। कोरोना काल के दौरान ही 2 वर्ष तक सेना में भर्ती पूरी तरह बंद थी। रक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद की स्थायी समिति को दी गयी जानकारी के अनुसार इस समय भारतीय सेना में एक लाख से ज़्यादा सैनिकों की कमी है। इस समय सेना की कुल संख्या 12.48 लाख है, जबकि एक लाख से अधिक पद ख़ाली हैं। इसकी एक वजह अग्निवीर योजना से घटा युवाओं का रुझान माना जा रहा है। दरअसल अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना अथवा अग्निपथ योजना 2022 में लागू की गयी थी। इसके अंतर्गत भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं को चार साल की अवधि के लिए अग्निवीर के रूप में भर्ती किया जाना है। इन्हीं चार वर्षों के सेवाकाल में ही 6 महीने की प्रशिक्षण अवधि भी शामिल है। 4 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद 25% अग्नि वीरों को तो नियमित सैन्य सेवा में स्थायी रूप से शामिल किया जा सकता है परन्तु शेष अग्निवीरों को सेवा निधि पैकेज के रूप में लगभग 11-12 लाख रुपये और अनुभव प्रमाणपत्र के साथ विदा किये जाने का प्रावधान है। इस सेवा निधि पैकेज में अग्निवीर और सरकार दोनों का ही योगदान है। इसके बावजूद अग्निवीर योजना के प्रति युवाओं के घटते रुझान का मुख्य कारण यह है कि यह योजना छोटी अवधि, लागत-प्रभावी और युवा-केंद्रित सैन्य सेवा पर ज़ोर देती है, जबकि सामान्य सैनिकों की भर्ती लंबी अवधि की स्थायी सेवा और दीर्घकालिक लाभों पर आधारित है। अग्निवीर योजना को आधुनिक सैन्य ज़रूरतों और बजट प्रबंधन के लिए डिज़ाइन किया गया है, लेकिन यह स्थायी नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के बीच विवादास्पद रही है। इस योजना के अनुसार 4 साल का छोटा कार्यकाल और सीमित प्रशिक्षण सैनिकों को पूर्ण रूप से युद्ध के लिए तैयार नहीं करता, जिससे युवा इसे जोखिम भरा मानते हैं। इसके अलावा, 4 साल बाद नागरिक जीवन में पुनर्स्थापन के लिए पर्याप्त समर्थन की कमी भी एक बड़ी चिंता का विषय है। यही कारण है कि अग्निवीर भर्ती के प्रति युवाओं का रुझान विशेष रूप से उन राज्यों में कम हुआ है, जहां सेना में भर्ती पारंपरिक रूप से लोकप्रिय थी। इसका मुख्य कारण नौकरी की अनिश्चितता, पेंशन की कमी, और दीर्घकालिक भविष्य है। हालांकि, सरकार ने हरियाणा जैसे राज्यों में अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण और अन्य प्रोत्साहन देने की कोशिश की है, लेकिन यह अभी भी युवाओं के असंतोष को पूरी तरह दूर नहीं कर पाया है। यही वजह है कि हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पहले प्रत्येक वर्ष लगभग 5,000 युवा सेना में भर्ती होते थे, अग्निवीर योजना के बाद यह संख्या घटकर केवल 250 तक रह गई है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में भी, 2022-23 में 73,000 युवाओं ने भर्ती के लिए पंजीकरण कराया, लेकिन अग्निवीर योजना लागू होने के बाद मैदान में तैयारी करने वाले युवाओं की संख्या में 80% की कमी देखी गई। लिहाज़ा ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने और इसका चुनावी लाभ उठाने बजाये सैन्य विशेषज्ञों की सलाह पर तत्काल अमल किया जाये और सैन्य क्षमता को लेकर उठ रही उनकी चिंताओं का यथाशीघ्र समाधान किया जाये क्योंकि दुर्भाग्यवश भारत इस समय चारों ओर से असुरक्षित है। ऐसे में सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति घातक साबित हो सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025 फाइनल से पहले बोले पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर-"अभी आधा काम बाकी है"

अहमदाबाद। मुंबई इंडियंस को दूसरे क्वालिफायर में हराकर पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। रविवार को मिली इस ऐतिहासिक जीत के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने सोमवार को प्री मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम की अब तक की यात्रा, अपनी रणनीति और फाइनल मुकाबले को लेकर खुलकर बातचीत की। श्रेयस अय्यर ने कहा, "एक कप्तान का काम होता है कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाए। हमने टूर्नामेंट की शुरुआत में ही लय हासिल कर ली थी और उसके बाद हर खिलाड़ी ने जिम्मेदारी ली। हमारे पास कई युवा खिलाड़ी हैं जिन्होंने शुरुआत से ही दमदार प्रदर्शन किया है। यह हमारे फाइनल में पहुंचने की बड़ी वजह है।" मुंबई इंडियंस के खिलाफ जब पंजाब की टीम शुरुआती झटकों से जूझ रही थी, तब अय्यर ने 41 गेंदों में नाबाद 87 रनों की कप्तानी पारी खेली।

इस बारे में उन्होंने कहा, "मुझे हालात के अनुसार खेलना पसंद है। मैं रनरेट, पिच और गेंदबाजों को देखकर अपनी रणनीति बनाता हूं। मेरी कोशिश रहती है कि मैं मैच को अंत तक लेकर जाऊं। योजना सटीक होनी चाहिए और उसी दिन काम करनी चाहिए।" जीत के बाद जहां टीम में जश्न का माहौल था, वहीं अय्यर शांत नजर आए। उन्होंने कहा, "मुझे लगा कि अभी मेरा काम पूरा नहीं हुआ है। फाइनल मुकाबला अभी बाकी है। मेरा ध्यान रिकवरी पर था। मैं इसे इस सोच के साथ देखता हूं कि अभी आधा काम हुआ है, कल वापस मैदान पर उतरना है।" पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मिली हार के बाद टीम ने रणनीति में बदलाव किया। अय्यर ने कहा, "हर स्थिति अलग होती है। हम उसी के अनुसार खेलते हैं। सीधी योजना के साथ नहीं चल सकते। हमारे युवा खिलाड़ी बेखौफ हैं और अब अनुभव भी ले चुके हैं। वे जल्दी हालात में ढल जाते हैं।" आखिर में अय्यर ने फाइनल के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, "जब आप मैदान पर उतरते हैं तो वहां केवल प्रतिद्वंद्विता होती है। आराम जैसी कोई चीज नहीं होती। यह जंग होती है और मैं पूरी ताकत झोंक दूंगा ताकि मेरी टीम विजेता बने।" पंजाब किंग्स का मुकाबला अब आईपीएल 2025 के फाइनल में आज रात नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल स्टेडियम, अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

सचिन,धोनी की तरह विराट की जर्सी भी होगी रिटायर !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को सम्मानित करने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी जर्सी नंबर 18 को रिटायर कर सकती है। इससे भारतीय टेस्ट टीम में आने वाले समय में किसी भी खिलाड़ी को ये जर्सी नंबर नहीं मिलेगा। जर्सी नंबर 18 नंबर कीपिछले 14 साल से विराट के पास रही है। कोहली ने अभी एकदिवसीय से संन्यास नहीं लिया है ऐसे में वह फिलहाल इस जर्सी में खेलते हुए देखेंगे पर यह माना जा रहा है कि जिस प्रकार सचिन तेंदुलकर (जर्सी नंबर 10) और महेंद्र सिंह धोनी (जर्सी नंबर 7) की जर्सी किसी अन्य खिलाड़ी को नहीं मिली। उसी प्रकार किसी भी नये खिलाड़ी को 18 नंबर की जर्सी नहीं मिलेगी। वहीं युवा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के इंडिया ए की ओर

से 18 नंबर की जर्सी पहनने को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सीनिययर अधिकारी का कहना है कि मुकेश कुमार ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले 'टेस्ट मैच में 18 नंबर की जर्सी पहनी जरुर थी पर इससे फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भारत ए टीम में कोई निश्चित नंबर के साथ ही जर्सी पर नाम नहीं होता है।कोई भी खिलाड़ी कोई भी नंबर चुन सकता है। जर्सी नंबर केवल अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ही मान्य है। भारतीय टेस्ट टीम में दो नए सदस्य बी साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह शामिल हुए हैं लेकिन उन्हें जो जर्सी नंबर दिए गए हैं, वे अलग हैं। भारतीय टीम में किसी विशेष जर्सी नंबर को आधिकारिक रूप से 'रिटायर करने प्रथा नहीं है लेकिन कुछ मशहूर नंबर बाद में टीम में शामिल हुए खिलाड़ियों ने नहीं पहने हैं।

भारत के खिलाफ खासे सफल रहे हैं स्मिथ

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भारतीय गेंदबाजों के लिए हमेशा ही परेशानी साबित हुए हैं। स्मिथ का रिकार्ड भारतीय टीम के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। 2015 एकदिवसीय विश्वकप की बात करें या 2023 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल सहित कई मैचों में स्मिथ के कारण ही भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पायी। डब्लयूटीसी फाइनल 2023 में स्मिथ ने 121 रन बनाए थे। इस मैच में उनकी और ट्रेविस हेड के बीच हुई 285 रनों की साझेदारी से ये मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया था। भारतीय टीम के खिलाफ स्मिथ ने 24 टेस्ट मैचों में 58.90 के औसत से 2356 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 11 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भी स्मिथ का औसत भारत के खिलाफ 50 से अधिक का रहा है। भारतीय टीम के खिलाफ 30 एकदिवसीय मैचों में स्मिथ ने 53.19 की औसत से 1383 रन बनाए, जिसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्मिथ ने भारतीय टीम के खिलाफ 11 मैचों में 229 रन बनाये हैं। स्मिथ ने अपने करियर की शुरुआत एक लेग स्पिनर के रूप में की थी। स्मिथ ने जुलाई 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर अपना टेस्ट डेब्यू करते हुए आठवें नंबार पर बल्लेबाजी की थी पर पांच साल बाद ही वह ऑस्ट्रेलिया के कप्तान बन गये। इसके अलावा वह दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज भी बन गये।

उनका करियर विवादों में भी रहा है। मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़खानी विवाद के कारण स्मिथ को एक साल के लिए प्रतिबंधि कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें कप्तानी से भी बाहर कर दिया गया था। स्मिथ ने अबतक 116 टेस्ट मैचों में 56.74 की औसत से 10271 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 41 अर्धशतक बनाये हैं। स्मिथ अब रिकी पोंटिंग के 13378 रनों से आगे निकलना चाहेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें सचिन तेंदुलकर के 51 टेस्ट शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी होंगी। स्मिथ का कहना है कि टेस्ट क्रिकेट को अब भी वह सबसे पहली प्राथमिकता देते हैं। वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद वेस्टइंडीज और फिर घर पर इंग्लैंड के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि मै अब भी उस स्तर पर काफी कुछ योगदान दे सकता हूं।

केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया

वेलिंगटन । पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट ठुकरा दिया है और संभावना है कि वे अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट स्वीकार नहीं किया था ताकि वे दुनिया भर में टी20 और अन्य लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र रहें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया था और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट में से नौ में खेलते हुए 1,000 से ज्यादा रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से मंगलवार को जारी 20 खिलाड़ियों की कॉन्ट्रैक्ट सूची में विलियमसन का नाम नहीं था। इसके साथ ही डेवोन कॉनवे,

फिन एलन, टिम सिफर्ट और लॉकि फर्ग्यूसन भी शामिल नहीं थे क्योंकि ये खिलाड़ी भी विदेशी टी20 लीग में हिस्सा ले रहे हैं। विलियमसन के फिर से कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। टिम साउथी के रिटायर होने के बाद आलराउंडर मोहम्मद अब्बास और जैक फोल्क्स, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसके अलावा ईश सोढी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन भी टीम में शामिल हैं। विलियमसन फिलहाल इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप और टी20 ब्लास्ट में मिडलसेक्स के लिए खेल रहे हैं और द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में न्यूजीलैंड के जिम्बाब्वे दौरे के दौरान उनकी काउंटी प्रतिबद्धताएं जारी रहने की संभावना है। लंदन में पिछले महीने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विलियमसन ने कहा था कि उनका कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट "एक प्रगति प्रक्रिया है और न्यूजीलैंड क्रिकेट इसके साथ बहुत सहयोग कर रहा है, जिसके लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं।" न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पिछले एक साल में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को रैंकिंग दी है।

30 सितंबर से खेला जाएगा महिला टी20 विश्वकप : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि महिला टी20 विश्व कप 30 सितंबर से दो नवंबर के बीच भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी के अनुसार इसमें कोलंबो को अतिरिक्त तटस्थ स्थल के रूप में जोड़ा गया है। भारत पहले अकेले ही इसकी मेजबानी करने जा रहा था पर अब इसके मैच बेंगलुरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम के अलावा कोलंबो में भी खेले जाएंगे। कोलंबो को इसलिए शामिल किया गया है ताकि यहां पाकिस्तान के मुकाबले हो सकें। इस साल की शुरूआत में ही चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान आईसीसी ने हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी गई थी। जिसके तहत भारतीय टीम ने अपने मैच दुबई में खेले थे जबकि अन्य टीमों के मैच पाकिस्तान में

हुए थे। आईसीसी ने कहा कि यह टूर्नामेंट बेंगलुरू में 30 सितंबर से शुरू होगा। गौरतलब है कि भारत में 12 साल बाद महिला क्रिकेट विश्व कप कराया जा रहा है। पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में खेला जाएगा जबकि दूसरा 30 अक्टूबर को बेंगलुरू में होगा। वहीं फाइनल दो नवंबर को बेंगलुरू या कोलंबो में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में मेजबान भारतीय टीम के अलावा गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें इसमें भाग लेंगी।

व्यापार

लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.40 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी के दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार की मजबूती और बढ़ी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिन के पहले सत्र में बिकवाली के दबाव के बीच खरीदार यदा-कदा लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया, जिसके कारण शेयर बाजार को संभलने का मौका नहीं मिल सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.78 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाल हावी बने रहे, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.10 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 445.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.40 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,144 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,733 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,264 शेयरों में

गिरावट का रुख रहा, वहीं 147 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,604 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,050 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,554 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर बढ़त के साथ और 29 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान में और 43 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 118.75 अंक की मजबूती के साथ 81,492.50 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक 400.48 अंक की तेजी के साथ 81,774.23 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 1,200 अंक लुढ़क कर 798.66 अंक की कमजोरी के साथ 80,575.09 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि अंत में हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 160 अंक से अधिक की रिकवरी करके 636.24 अंक की गिरावट के साथ 80,737.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 69.70 अंक उछल कर 24,786.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 128.50 अंक की मजबूती के साथ 24,845.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक लगातार गिरता चला गया।

सर्राफा बाजार में सोने में जोरदार तेजी, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। सोना आज 1,200 रुपये से लेकर 1,270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,910 रुपये से लेकर 99,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,700 रुपये से लेकर 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज मामूली तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,

जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है।

पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करेगा आईआईसीए, कॉर्पोरेट प्रशासन और विकास को आगे बढ़ाएगा

नई दिल्ली। समावेशी राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय क्षमता निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पूर्वोत्तर में कॉर्पोरेट प्रशासन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए) ने क्षेत्र में अपना पहला क्षेत्रीय परिसर स्थापित करने की घोषणा की है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि कॉर्पोरेट प्रबंधन और विकास को बढ़ावा देते हुए आईआईसीए पूर्वोत्तर में पहला क्षेत्रीय परिसर खोलेगा। आईआईसीए शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। इसमें प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेवआईएनई) के तहत निवेश होगा। मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री की पूर्वोत्तर विकास पहल (पीएम-डेविने) के तहत 100.95 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित, शिलांग परिसर प्रमुख क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति सलाह के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। आईआईसीए ने अपने पहले क्षेत्रीय परिसर के लिए मेघालय के न्यू शिलांग टाउनशिप में पांच एकड़ भूमि का औपचारिक अधिग्रहण किया है। भूमि हस्तांतरण और अधिग्रहण का कार्य मेघालय सरकार की ओर से योजना विभाग के संयुक्त सचिव के. हिनीवता और भारत सरकार की ओर से उप-सचिव शेखर श्रीवास्तव ने किया। कॉरपोरेट

कार्य मंत्रालय ने बताया कि भूमि हस्तांतरण समारोह की अध्यक्षता मेघालय सरकार के मुख्य सचिव डोनाल्ड फिलिप्स वाहलांग और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी ने की। इस अवसर पर आईआईसीए के महानिदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव इंद्रदीप सिंह धारीवाल, योजना विभाग के आयुक्त और सचिव सीवीडी डिएंगदोह, आईआईसीए के (कर्नल) अमनदीप सिंह पुरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मॉयल ने मई में 18 फीसदी सालाना वृद्धि के साथ किया रिकॉर्ड उत्पादन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मिनीरत्न मॉयल लिमिटेड ने मई महीने में सर्वाधिक मैंगनीज अयस्क उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने मई, 2025 में 1.71 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) की तुलना में 18 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। यह मई के लिए अबतक का सबसे ज्यादा और स्थापना के बाद से चौथा सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। इस्पात मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आशाजनक वातावरण बनाते हुए मॉयल ने मई में अबतक का सबसे उच्चतम प्रदर्शन के साथ साल की शुरुआत की है, जो मजबूत परिचालन परिदृश्य को दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक

कंपनी ने मई, 2025 में 1.71 लाख टन मैंगनीज अयस्क उत्पादन किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। इसके अलावा अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग 13,352 मीटर तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.5 फीसदी अधिक है, जो संसाधन क्षमता के विस्तार में मॉयल के रणनीतिक प्रयास का परिणाम है। मॉयल लिमिटेड के सीएमडी अजित कुमार सक्सेना ने इस उपलब्धि के लिए सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा, "हमारी खदानें मॉयल की सफलता की रीढ़ हैं। इस प्रदर्शन के साथ हमने दिखाया है कि अनुशासित संचालन और कुशल अभ्यास लगातार बाधाओं को तोड़ सकते हैं।" उन्होंने कहा कि यह मई महीने के लिए अब तक का सबसे अधिक उत्पादन और स्थापना के बाद से चौथा सबसे अधिक मासिक उत्पादन है। उल्लेखनीय है कि मॉयल लिमिटेड एक मिनीरत्न सरकारी मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी है जिसका मुख्यालय नागपुर में है। यह कंपनी 50 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी के साथ भारत में मैंगनीज अयस्क का सबसे बड़ा उत्पादक है। मॉयल महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के आसपास के जिलों में 11 खदानों का संचालन करता है।

पीएनबी ने शिक्षा लोन पर ब्याज दर में 0.20 फीसदी की कटौती की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने मंगलवार को विद्यालक्ष्मी योजना के तहत शिक्षा लोन पर ब्याज दर में 20 आधार अंकों (बीपीएस) यानी 0.20 फीसदी की कटौती की है। इस संशोधन के साथ शिक्षा ऋण संस्थानों के आधार पर 7.5 फीसदी से शुरू होगा। पंजाब नेशनल बैंक की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि यह पहल शिक्षा की सुलभता बढ़ाने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। विद्यालक्ष्मी योजना विद्यार्थियों को गुणवत्ता-संचालित उच्च शिक्षा के वास्ते व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। विद्यालक्ष्मी योजना को गुणवत्ता-संचालित उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को व्यापक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। पीएम-विद्यालक्ष्मी के नाम से भी जानी जाने वाली यह योजना एक विशेष शिक्षा ऋण उत्पाद है

जो बिना किसी जमानत और बिना किसी गारंटर के है। यह शिक्षा ऋण उन छात्रों के लिए उपलब्ध है जो अपनी योग्यता के आधार पर भारत में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेते हैं। यह पहल उन उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध है जो भारत भर में 860 चिन्हित क्यूएचईआई में मेरिट के आधार पर प्रवेश प्राप्त करते हैं।

ऑपरेशन खुकरी पर फिल्म बनाने जा रहे रणदीप हुड्डा

निभाएंगे मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका

रणदीप हुड्डा पिछली बार फिल्म जाट में दिखे थे, जिसमें उनके काम को तो सराहा गया, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। रणदीप इस फिल्म में सनी देओल से भिड़ते नजर आए। अब रणदीप की नई फिल्म का ऐलान हो गया है। दरअसल, अभिनेता अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक ऑपरेशन में से एक को बड़े पर्दे पर जीवंत करने जा रहे हैं। रणवीर के किरदार से पर्दा भी उठ गया है। रणदीप की इस फिल्म का नाम ऑपरेशन खुकरी है। यह फिल्म साल 2000 में पश्चिमी अफ्रीका के सिएरा लियोन में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। गौरतलब है कि रणदीप भारतीय सेना के इस ऑपरेशन से खासा प्रभावित हैं। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे। ऑपरेशन खुकरी की कहानी किताब ऑपरेशन खुकरी: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड से प्रेरित है, जिसे पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने प्रकाशित किया है। इस किताब के फिल्मी अधिकार अब राहुल मित्रा फिल्म्स और रणदीप हुड्डा फिल्म्स ने हासिल कर लिए हैं। ऑपरेशन खुकरी की कहानी पर काम शुरू हो चुका है और इसे बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। कहानी तैयार होने के बाद फिल्म की कास्टिंग पर काम शुरू होगा। कहा जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो जाएगी, जबकि यह फिल्म 2027 तक सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। यह कहानी सिर्फ हथियारों और युद्ध की नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और भाइचारे की है। रणदीप ने ऑपरेशन खुकरी के बारे में बात करते हुए कहा, यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं ऐसे योद्धा की भूमिका निभा रहा हूं, जिसने 75 दिन तक द्श्मन के बीच फंसे जवानों को न सिर्फ जिंदा निकाला बल्कि भारत के सैन्य इतिहास में एक सूनहरा अध्याय जोड़ दिया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन खुखरी एक ऐसी कहानी है जिसने मुझे गहराई से प्रभावित किया है। रणदीप ने बताया कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं।

दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं नरगिस फाखरी, ऐसा लग रहा है, जैसे कभी गई ही नहीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी अपनी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चाओं में हैं। वह इस फिल्म के जरिए दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपने कमबैक से काफी ख़ुश हैं, उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वह कभी पर्दे से दूर गई ही नहीं थीं। नरगिस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। ये तस्वीरें हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान किए गए फोटोशूट की हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, कमबैक... जैसे कभी गई ही नहीं थीं, अब पहले से भी ज्यादा ताकतवर और शानदार अंदाज में लौट आई हूं। एक्ट्रेस को अब से पहले 2023 में रिलीज हुई अनुपम खेर-नीना गुप्ता अभिनीत शिव शास्त्री बलबोआ में देखा गया

था। इस फिल्म का निर्देशन अजय वेणुगोपालन ने किया था। उनकी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 की बात करें तो, 31 मई को फिल्म से नया गाना द फुगड़ी डांस रिलीज किया गया था। फिल्म से अभी तक चार गाने, जिसमें लाल परी, दिल ए नादान, कयामत और नया द फुगड़ी डांस शामिल हैं, रिलीज हो चुके हैं। फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है, जो इससे पहले दोस्ताना जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। वह फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा। फिल्म के स्टारकास्ट में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकार हैं। हाउसफुल 5 6 जून को दुनिया भर में रिलीज होगी। नरगिस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान 2011 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म रॉकस्टार से बनाई, जिसमें उन्होंने रणबीर कपूर के साथ काम किया था। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। 2013 में उन्होंने राजनीतिक थ्रिलर फिल्म मद्रास कैफे में एक वॉर रिपोर्टर का किरदार निभाया। इसके बाद वह मैं तेरा हीरो और हाउसफुल 3 जैसी हिट कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने न केवल बॉलीवुड में, बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड की एक्शन-कॉमेडी फिल्म स्पाई में भी अहम भूमिका निभाई।

हाउसफुल 5 का धमाकेदार पार्टी एंथम द फुगड़ी डांस रिलीज़ हुआ

बॉलीवुड के कॉमेडी किंग अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली मल्टीस्टारर फिल्म हाउसफुल 5 का नया गाना द फुगड़ी डांस रिलीज़ कर दिया है, औरजैसा कि उम्मीद थी, ये ट्रैक आते ही छा गया। सोशल मीडिया पर गाना शेयर करते हुए अक्षय ने लिखा, फू बाई फुगड़ी फू - अब आपकी बारी है, नाचने की! गाने का मस्ती भरा हुक लाइन, धमाकेदार बीट्स और कलरफुल वीडियो इसे पार्टी एंथम बनने की दिशा में ले जा रहा है। गाना कंपोज किया है तनिष्क बागची और क्रेटेक्स ने, जबकि आवाजें दी हैं क्रेटेक्स और रैप किया है पत्या द डॉक् ने। इस गाने में वही सब कुछ हैजो हाउसफुल फ्रैंचाइज़ी को फैंस के बीच पॉपुलर बनाता है—हंसी, हंगामा, रंग-बिरंगे

कॉस्ट्यूम्स और आउट-ऑफ-द-बॉक्स डांस मूव्स। इसकीकोरियोग्राफी भी पूरी तरह ओवर-द-टॉप है, और वायरल होने के पूरे चांस हैं। हाउसफुल 5 का निर्देशन कर रहे हैं तरुण मनसुखानी, और प्रोड्यूस कर रहे हैं साजिद नाडियाडवाला। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगेअभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फखरी और कॉमेडी के दिग्गज जैसे संजय दत्त, जॉनी लीवर, चंकी पांडेऔर नाना पाटेकर। पहले रिलीज हुए गानों लाल परी और दिल-ए-नादान को दर्शकों ने खूब पसंद किया, और अब द फुगड़ी डांस भीम्यूजिकल हाइप को एक नया मुकाम देता है।पहले दीवाली 2024 पर रिलीज़ होने वाली हाउसफुल 5 अब 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भारत की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइज़ीके इस पांचवें पार्ट से उम्मीदें भी आसमान छू रही हैं, और द फुगड़ी डांस यह साफ कर देता है कि इस बार हंसी का डोज़ डबल होने वाला है।

पवन कल्याण की नई फिल्म उस्ताद भगत सिंह का पोस्टर रिलीज, शूट पर भी मिला अपडेट

साउथ के दिग्गज अभिनेता पवन कल्याण की मच अवेटेड फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह का पोस्टर अब मेकर्स की तरफ से जारी कर दिया गया है। लंबे समय से फैंस इस फिल्म पर अपडेट का इंतजार कर रहे थे और अब मैत्री मूवी मेकर्स की तरफ से इसका नया पोस्टर जारी किया गया है। पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह को लेकर खबर आ रही थी कि यह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई है। हालांकि कुछ समय पहले प्रोड्यूसर्स ने साफ किया था कि फिल्म पर जल्द ही कोई अपडेट शेयर किया जाएगा। अब फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए पोस्टर जारी कर दिया गया है। पोस्टर में पवन कल्याण का चेहरा तो नजर नहीं आ रहा है लेकिन उनके गले में हनुमान जी को जरूर दिखाया गया है। इस पोस्टर को जारी करते हुए मेकर्स ने लिखा है, 'तैयार हो जाइए पावरस्टार की बेहतरीन फिल्म के लिए। यह फिल्म सालों तक याद रखी जाएगी। इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। हैप्पी हनुमान जयंती और अपडेट्स के लिए जुड़े रहें। हालांकि अभी फिल्म की रिलीड डेट को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। फिल्म को हरीश शकंर द्वारा डायरेक्ट किया जा रहा है। एक्टर पवन कल्याण के अलावा एक्ट्रेस श्रीलीला भी नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म को मैत्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूसर किया जा रहा है।

पीके/केआर रकुल प्रीत का मोटिवेशनल अंदाज, कहा- माइंडसेट को बनाओ मजबूत, नतीजे होंगे शानदार

मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह न सिर्फ अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी पॉजिटिव सोच और लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक किताब का पन्ना शेयर किया, जिसमें जिंदगी से जुड़ी गहरी बात छिपी हुई थी। दरअसल, इस पन्ने पर लिखा था- आपके सोचने का तरीका, हमारी जिंदगी की बुनियाद होता है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कैप्शन में लिखा, माइंडसेट पर काबू रखें, तो नतीजों पर भी काबू होगा। यानी अगर आप अपने सोचने के तरीके पर काबू पा लेते हैं, तो आप अपने नतीजों पर भी काबू पा सकते हैं। रकुल का यह पोस्ट इस बात का सबूत है कि वह अपने फैंस का सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि जिंदगी से जुड़ी प्रेरणाएं भी उन्हें देती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने पिता के साथ एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने पिता के साथ स्कूटर पर बैठी हुई दिखाई दीं। यह तस्वीर उनके बचपन की थी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, सेना दिवस भले ही पूरी दुनिया में मनाया जाता हो, लेकिन मेरा दिल एक वर्दी के लिए धड़कता है, मेरे पापा की वर्दी के लिए। एक आर्मी ऑफिसर के बच्चे के रूप में मैंने बचपन से ही त्याग, सम्मान और हिम्मत का मतलब समझा। आज मैं सिर्फ अपने पापा को नहीं, बल्कि उन सभी सैनिकों को सलाम करती हूं, भारत और दुनिया भर के, जो खुद से पहले देश की सेवा को चुनते हैं। खासकर हाल के समय में भारतीय सेना की बहादुरी हमें याद दिलाती है कि शांति मुफ्त में नहीं मिलती, उसे सैनिकों की कुर्बानी से सुरक्षित रखा जाता है। मैं दिल से शुक्रगुजार हूं।वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह आखिरी बार फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर भी अहम किरदार में थे।

निखिल के जन्मदिन पर फैंस को मिला तोहफा, फिल्म स्वयंभू का विशाल पोस्टर जारी, टीज़र जल्द ही

यूनिक स्टार निखिल को अपनी फिल्म कार्तिकेय 2 की अखिल भारतीय स्तर की सफलता से देश भर में पहचान मिली, और अब वे एक और अखिल भारतीय उद्यम स्वयंभू के साथ आ रहे हैं, जो उनकी 20वीं ऐतिहासिक फिल्म है। वर्तमान में निर्माण में लगी स्वयंभू, भारत कृष्णमाचारी द्वारा निर्देशित एक भव्य पैमाने की ऐतिहासिक एक्शन महाकाव्य है। फिल्म में निखिल को पहले कभी न देखे गए अवतार में, एक महान योद्धा के रूप में पेश किया जाएगा, जो गहन नाटक, दृश्य तमाशा और सांस्कृतिक गहराई का एक शक्तिशाली मिश्रण पेश करता है। पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले भुवन और श्रीकर द्वारा निर्मित और टैगोर

मधु द्वारा प्रस्तुत, इस परियोजना को शीर्ष स्तरीय उत्पादन, और तकनीकी मूल्यों और एक मजबूत अखिल भारतीय दृष्टि के साथ तैयार किया जा रहा है। टीम स्वयंभू ने निखिल के जन्मदिन पर एक बहुत बड़ा पोस्टर जारी किया, जिसमें शक्तिशाली जोड़ी, निखिल और संयुक्ता को दिखाया गया है। युद्ध की पृष्ठभूमि में, पोस्टर में एक प्राचीन राजदंड - सेंगोल का परिचय दिया गया है! निखिल एक सच्चे और महान योद्धा की तरह तीव्र और शक्तिशाली दिख रहे हैं, जो युद्ध के बीच में तलवार थामे हुए हैं। उनके बगल में, संयुक्ता धनुष और बाण के साथ मजबूती से खड़ी हैं, निशाना साधने के लिए तैयार हैं। पोस्टर अपने आप में फिल्म के भव्य पैमाने का प्रमाण है और एक शानदार दृश्य अनुभव का वादा करता है। बैकग्राउंड में सेंगोल की मौजूदगी शक्ति और महत्व का एहसास कराती है। सेंगोल शक्ति और धार्मिकता का प्रतीक है। प्राचीन साम्राज्यों से लेकर भारत की स्वतंत्रता तक, सेंगोल का महत्व पौराणिक है। हमारे प्राचीन इतिहास के अनुसार, भगवान राम ने न्यायपूर्ण शासन के प्रतीक के रूप में सेंगोल प्राप्त किया, जिसने न्यायपूर्ण नेतृत्व की मिसाल कायम की। हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की समृद्ध विरासत को श्रद्धांजलि देते हुए नए संसद भवन में अध्यक्ष के आसन के पास सेंगोल की स्थापना की। अब, स्वयंभू ने इन शक्तिशाली पृष्ठभूमियों के इर्द-गिर्द अपनी कहानी बुनी है और आगामी टीजर रिलीज से इस रोमांचक दुनिया के बारे में और अधिक जानकारी मिलेगी। उत्सुकता स्पष्ट है! महाकाव्य कथा को सामने आते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। नाभा नटेश फिल्म की दूसरी मुख्य महिला कलाकार हैं। केके सेंथिल कुमार ने छायांकन का काम संभाला है, जबकि रवि बसरूर ने संगीत दिया है।

Public interest is paramount, negligence in law and order and public hearing will not be tolerated - CM Yogi

Lucknow, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath on Monday held a high-level review meeting with senior administrative and police officials from across the state regarding the law and order situation, public hearing system and preparations for the upcoming festivals. In the meeting, the Chief Minister said in clear words that public interest is the basic mantra of governance and any kind of negligence will not be tolerated in this. Chief Minister Yogi strictly instructed the officers to discharge their duties with communication, alertness and vigilance. He said that often small disputes take a bigger form due to negligence, which can be resolved in time. He also directed that in case of any dispute, the police

station should take necessary steps immediately without waiting for the complaint. CM Yogi instructed the officers to be especially vigilant regarding Ganga Dussehra on June 5, Bakrid on June 7 and Jagannath Rath Yatra on June 24. Calling these dates sensitive from the point of view of law and order, he said that the incidents of past years should be analyzed in every district and chaotic elements should be monitored. He clarified that sacrifice on Bakrid should be done only at pre-determined places, sacrifice of banned animals should be completely prohibited and proper arrangements for disposal of waste should be ensured. Also, instructions have been given not to allow namaz at public places and roads. There should be continuous police patrolling around religious places. On the occasion of Ganga Dussehra, instructions were given to run a comprehensive cleanliness campaign on June 4 and organize other programs including Aarti on the ghats on June 5. CM Yogi said that along with the cleanliness of the ghats, bathing places should be identified and divers, PAC flood unit, NDRF and SDRF should be deployed from the security point of view. CM Yogi said that on World Environment Day (5 June), plantation will be done on the theme 'One tree in the name of mother'. Participation of all public representatives including MPs, MLAs will be ensured in the program. Referring to the preparations for the 11th edition of International Yoga Day on June 21, the Chief Minister said that Yoga Day should be organized according to the protocol laid down by the Government of India and live telecast of the main program of Prime Minister Narendra Modi should be ensured at all the venues. Emphasizing the need for river revival, the Chief Minister said that some river or the other flows in every district of Uttar Pradesh. Citing the example of revival of Jalaun's Nun river, he suggested taking inspiration from similar efforts in other districts as well. This year's tree plantation campaign will be linked to the revival of rivers. In view of the possibility of bird flu, Chief Minister Yogi gave instructions for special vigilance and clarified that dead animals should not be thrown into rivers. The general public should be made aware of this. Also, illegal slaughter houses should not be operated under any circumstances and selling meat in the open should be completely banned.

China cannot stop the water of Brahmaputra river even if it wants to, Assam CM gave a befitting reply with facts

Guwahati, When India stopped the water of Indus river after the Pahalgam attack, Pakistan also threatened India. Pakistan said that China can also stop the water of Brahmaputra river, which will create a situation of drought in the north-eastern states of India. Now Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma has given a befitting reply to Pakistan. Pakistan believes that India depends on the water of the Brahmaputra river coming from China. However, Himanta Biswa Sarma has completely rejected these claims of the neighboring country. According to Himanta Biswa Sarma, the Brahmaputra river brings only 30-35 percent of its water from China. The Brahmaputra river gets this water from melting Himalayan glaciers and rain. The remaining 65-70 percent of the river's water comes from rivers flowing in India and rain.Himanta Biswa Sarma said- Ever since India has cancelled the Indus River Treaty, Pakistan has been trying to spread fear in the country. Pakistan says that what if China gives Brahmaputra? In reality, the water of the Brahmaputra river increases only in India. China contributes only 30-35 percent to the water flow of the Brahmaputra river and the remaining 65-70 percent of the water of the river is found in India only. Himanta Biswa Sarma, while explaining the reason for this, said, the main source of water of the Brahmaputra river is the torrential rains in Arunachal Pradesh, Meghalaya, Assam and Nagaland. Apart from this, many tributary rivers like Subansiri, Lohit, Kameng, Manas, Dhansiri, Jia Bharali, Kopili, Digaru and Kulsi join the Brahmaputra, which increases the water flow of the river.

Heavy rains wreak havoc in North Sikkim, three soldiers dead, 6 missing; more than 1,600 tourists rescued

New Delhi, The situation has become very serious due to heavy rains in North Sikkim. Landslides have occurred in many areas, due to which life has been disrupted. 1,678 tourists stranded in Lachung and Chungthang have been safely evacuated through rescue operations, while more than 100 people are still stranded in Lachung. Three soldiers were killed while six others are still missing after a landslide hit an army camp in the Chhaten area of Mangan district on Monday. The deceased have been identified as Lakhwinder Singh, Lance Naik Munish Thakur and porter Abhishek Lakhda. Army, NDRF and police teams are

engaged in relief and rescue operations.Roads closed, bridges destroyed due to heavy rain State Director General of Police (DGP) Akshay Sachdeva said that some tourists have been taken to Gangtok, while efforts are on to rescue those stranded in Lachen. Due to continuous rains in Mangan district, roads have been blocked and cracked at many places. Two bridges in the Lachen area have been completely destroyed, cutting off all routes leading to Lachen and Lachung. BRO and Army are trying to restore the road The Border Roads Organisation (BRO) has started the restoration work of the road network so that the movement of relief material and rescue teams can resume. According to an official, the tourists, including 561 women, 380 children and more than seven men, were transported to Fandag through a convoy of vehicles.More than 130 mm of rain, Teesta river in spate Heavy rains have been occurring in the northeastern states for the past four days. More than 130 mm of rain has been recorded in North Sikkim so far. Major tourist destinations like Lachung, Gurudongmar, Lachen and Valley of Flowers have been affected the most. The water level in the Teesta river has increased considerably, causing flood-like conditions in the surrounding areas.

We are here to take care of Bihar, you should focus on your family, Dilip Ghosh taunts Tejashwi Yadav

Kolkata, Senior Bharatiya Janata Party (BJP) leader Dilip Ghosh on Tuesday took a dig at RJD leader Tejashwi Yadav over his statement in which he said that the law and order situation in Bihar is currently completely destroyed. The situation has become such that people are not serious about law and order at all. Dilip Ghosh took a dig at this statement of Tejashwi Yadav and told the media that Tejashwi should first solve the problems of his family. I certainly have no hesitation in saying that there is a government in Bihar which is completely serious about every issue. If any kind of unpleasant situation arises in any part of the state, then our government is fully capable of dealing with it and as far as Tejashwi Yadav is concerned, I would suggest him to focus on his family. There is a government in power to worry about Bihar, which undoubtedly keeps thinking about the people day and

night. Also, he targeted Digvijay Singh for raising questions on 'Operation Sindoor'. He said that Digvijay Singh should first look at the working style of his previous government, how when terrorist attacks used to happen during Manmohan Singh and Narasimha Rao's regime and our soldiers were attacked, then the government of that time did not have the courage to take even a single step against Pakistan, but today it is not like that. Today, under the leadership of Prime Minister Modi, we have the courage to give a befitting reply to terrorism. Today we do not make any kind of compromise with terrorism. Our government is not like the Congress government, which adopts any kind of soft approach towards terrorism. He further attacked Digvijay Singh and said that we know very well with whom he is. There is no need for him to speak on national security. Referring to the murder of police officer Mohan Sharma, he said that when Mohan Sharma was murdered by terrorists, Digvijay Singh had gone to his family and said that we apologize to you. He had told Mohan Sharma's family that Rahul Gandhi was going to come to meet you, but he could not come due to some reason. That is why we came. Dilip Ghosh said that such people who supported a terrorist instead of supporting the family of a brave policeman have no right to speak on the issue of national security. But, today in PM Modi's government, no kind of compromise is made with terrorists, rather we believe in the principle of entering their homes and eliminating them.

(New Delhi) PM Modi spoke to the Chief Ministers of flood-affected Assam and Sikkim, assured all possible help

New Delhi, The situation remains serious due to floods in the northeastern states. Meanwhile, Prime Minister Narendra Modi on Tuesday spoke to several Chief Ministers of the northeastern states about the situation arising due to the floods. He also assured all possible help from the central government. According to the information, Prime Minister Modi spoke to Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma, Sikkim Chief Minister Prem Singh Tamang and Manipur Governor Ajay Bhalla. During this, he also inquired about the situation

arising due to heavy rains and floods. The Prime Minister assured them of all possible help and support. Earlier on Monday, BJP National President and Union Minister J.P. Nadda had expressed deep concern over the continuous heavy rains in many parts of the northeastern states. J.P. Nadda expressed condolences to the affected people through a post on the social media platform X and directed BJP's state units and workers to actively participate in relief operations. Nadda wrote in his post, I am deeply concerned for the people affected by the continuous heavy rains in parts of the northeastern states. I have instructed the BJP state units and workers to provide all possible assistance as per the guidelines issued. I urge everyone in the affected areas to take necessary precautions, avoid unnecessary travel and follow the advice of local authorities. Last Sunday, Union Home Minister Amit Shah spoke to the Chief Ministers of Assam (Himanta Biswa Sarma), Arunachal Pradesh (Pema Khandu) and Sikkim (Prem Singh Tamang) and the Governor of Manipur (Ajay Kumar Bhalla) over the phone to inquire about the flood situation. According to officials in various northeastern states, of the 34 deaths caused by rains and floods since May 29, at least 10 people were killed in Assam, followed by nine in Arunachal Pradesh, six each in Meghalaya and Mizoram, two in Tripura and one in Nagaland. Disaster management officials in northeastern states said the deaths were due to drowning, landslides and waterlogging.

Emergency landing of Indigo flight going to Ranchi, lives of 175 passengers were in danger at an altitude of 4000 feet

Ranchi, A major accident was averted on Monday at Ranchi's Birsa Munda Airport. A plane coming from Patna to Ranchi, carrying 175 passengers, collided with a bird just before landing. After this incident, the pilot showed presence of mind and kept the plane in the air for about 40 minutes and then made an emergency landing safely. All the passengers on board the plane are completely safe. Officials said that IndiGo's Airbus 320 aircraft had taken off from Patna for Ranchi with 175 passengers. Airport director RR Maurya said that when the aircraft was 10-12 nautical miles away from Ranchi airport and at an altitude of 3000-4000 feet, it collided with a bird. According to eyewitnesses, the bird that collided was a vulture. After the bird hit, there was a slight vibration in the plane, but the pilot kept the situation under control and contacted the Air Traffic Control (ATC) and asked for permission for an emergency landing. After

getting permission from ATC, the pilot flew the plane safely in the air for 40 minutes and then successfully made an emergency landing. Officials said that some parts of the plane have got minor dents due to the vulture hitting them. Currently, a team of engineers is inspecting the plane and assessing the damage. The airport administration confirmed the incident and said that all the passengers are safe and they have been deboarded and sent to the terminal. Due to this incident, the operation of aircraft at the airport was affected for some time, which is now slowly being normalized.

Rajasthan Intelligence arrested Pakistani spy from Jaisalmer, government official accused of treason!

Jaisalmer, Rajasthan Police has got a big success from Jaisalmer, where the state intelligence has arrested Assistant Administrative Officer of Employment Office, Shakoor Khan, on serious charges of espionage. This action was carried out under the direct direction of Inspector General of Police, CID Security Rajasthan Vishnu Kant Gupta, who has exposed a big network trying to breach the security of the country. The game of treason and the agent of IAS: Security agencies were keeping a close watch on the suspicious activities of Shakoor Khan, a resident of Mangalia Ki Dhani, Jaisalmer for a long time. Intelligence information revealed that Shakoor Khan was very close to notorious personalities like Ahsan-ur-Rahim alias Danish and Sohail Qamar working in the Pakistani Embassy. Not only this, this traitor had contacted them by going directly to the Pakistani

Embassy several times, which in itself raises questions on his intentions. The investigation has also revealed that Shakoor has visited Pakistan several times with the help of Danish, who works in the Pakistani embassy, after obtaining a Pakistani visa. During his stay in Pakistan, this traitor also met agents of the Pakistani intelligence agency ISI (ISIS). The most shocking revelation is that Shakoor was passing on confidential information of strategic importance of India to his Pakistani masters through ISI. This is a clear case of treason and playing with the security of the country. FIR registered under State Secrets Act: Rajasthan Intelligence has registered a case against the suspect Shakoor Khan under the Official Secrets Act 1923. The crimes under this Act are of very serious nature, which carry severe punishment if found guilty. The arrest of Shakoor Khan not only shows the alertness of Rajasthan Police, but it is also a clear message to all those elements who try to challenge the sovereignty and security of the country. This arrest has come at a time when concerns are already being raised about intelligence activities in the border areas. The police is now engaged in intensive interrogation of Shakoor Khan to find out other people associated with this espionage network and the full extent of its activities. All the persons involved in this case will not be spared and strict legal action will be taken against them.

Gujarat: Theft of Rs 1 crore revealed in Daman, five gang members arrested

Daman, Daman Crime Branch has solved the theft case of more than one crore rupees that took place in Daman in February. A gang from Dahod district of Gujarat had carried out this sensational theft. The thieves targeted Ranchhodrai temple and an NRI's house in Machhiwara area of Daman, from where they stole gold jewellery, foreign currency and other valuables, whose total value was more than one crore rupees. Daman Police has arrested five accused in this case through hard work and technical surveillance. Their names are Naresh, Kalu, Bharat, Pankaj and Jignesh. Police has also recovered 26 tola gold from them. However, the stolen cash has not been recovered yet. Additional Superintendent of

Police (Additional SP) Tanu Sharma said it was a complex interstate crime as the accused were from outside Daman. Additional SP Tanu Sharma told reporters that an FIR was lodged in Moti Daman police station in February for this theft. Initially, the local police arrested two accused, Naresh and Kalu. After this, the Crime Branch caught the remaining three accused Bharat, Pankaj and Jignesh using human intelligence and technical surveillance. Bharat is the main receiver in this case, against whom 50 cases are already registered in Gujarat and he was recently released after serving a sentence under the Gutsy Talk Act. The other two accused have also been involved in criminal activities earlier. The police raided several places in this case and achieved this success after hard work. Tanu Sharma said that police teams are still working to recover the remaining stolen goods. Police say that strict steps will be taken to crack down on such gangs so that such incidents can be prevented in the future.